RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:248 ता. 29 मार्च 2023, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

दिल्ली में भैरों मार्ग पर बन रहे अंडरपास का काम लगभग पूरा, ओपनिंग से जुड़ा अपडेट आया सामने

नई दिल्ली। प्रगति मैदान टनल प्रोजेक्ट के तहत भैरों मार्ग पर बन रहे अंडरपास का काम अंतिम दौर में है। टनल के अंदर का काम लगभग पूरा हो चुका है। रिंग रोड से टनल में जाने के लिए बन रहा रैंप 15 अप्रैल तक तैयार हो जाएगा। इसके बाद वाहनों का ट्रायल रन किया जाएगा। सब ठीक रहने पर 20 अप्रैल के आसपास इसे यातायात के लिए खोल दिया जाएगा। इस अंडरपास के खुल जाने के बाद रिंग रोड पर यू-टर्न का झंझट खत्म हो जाएगा। भैरों मार्ग से सराय काले खां, नोएडा और गाजियाबाद की तरफ जाने वाले वाहन टनल के रास्ते रिंग रोड पर निकल सकेंगे। इस वर्ष भारत जी-20 की मेजबानी कर रहा है। इससे जुड़े कुछ आयोजन प्रगति मैदान में होने में हैं। ऐसे में पीडब्ल्यूडी, भारतीय व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) और निर्माण कार्य में लगी एजेंसियों पर प्रोजेक्ट जल्द से जल्द पूरा करने का दबाव है। यही वजह है कि अब निर्माण एजेंसी ने छठे और अंतिम अंडरपास को यातायात के लिए खोलने की तिथि बताई है।

तीन शिफ्ट में हो रहा काम

टनल के अंदर तीन शिफ्ट में निर्माण कार्य चल रहा है। पीडब्ल्यूडी के इंजीनियर बताते हैं कि इसका काम काफी चुनौतीपूर्ण है। यह अंडरपास रेल लाइन के नीचे से बनाया जा रहा है। वहीं, अंडरपास का एक हिस्सा यमुना क्षेत्र से भी जुड़ा है, जिससे कई बार निर्माण के दौरान पानी का रिसाव होने से काम में कई बार बाधा आई है।

उद्धव ठाकरे की चेतावनी से सहमी कांग्रेस! सावरकर पर चल दिया नए प्रस्ताव का दांव

कांग्रेस अब फूंक-फूंक कर कदम रख रही है। सूत्रों के अनुसार, तमाम विपक्षी दलों ने उद्धव की नाराजगी के बाद वीडी सावरकर जैसे संवेदनशील विषयों पर टिप्पणी करने से दूर रहने की सहमति जताई है।

नई दिल्ली। राहुल गांधी का हाल ही में सावरकर पर दिया बयान कांग्रेस पार्टी के लिए गले की फांस बन गया है। इसका नजारा तब देखने को मिला जब, बीती रात मल्लिकार्जुन खड़गे की डिनर मीटिंग में 17 दलों के नेता पहुंचे लेकिन, उद्धव ठाकरे ने दूरी बनाकर रखी। ऐसे में कांग्रेस अब फूंक-फूंक कर कदम रख रही है। सूत्रों के अनुसार, तमाम विपक्षी दलों ने उद्धव की नाराजगी के बाद वीडी सावरकर जैसे संवेदनशील विषयों पर टिप्पणी करने से दूर रहने की सहमति जताई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर विपक्षी नेताओं की डिनर मीटिंग में उद्धव ठाकरे की गैर-मौजूदगी की चर्चा काफी ज्यादा थी। ठाकरे ने हाल ही में राहुल गांधी को चेतावनी दी थी वीडी सावरकर पर राहुल गांधी की टिप्पणी परेशान करने वाली है। उद्धव ने दो टूक शब्दों में कहा था कि सावरकर उनके लिए भगवान जैसे हैं। ऐसे में वो उनके खिलाफ कोई टिप्पणी बर्दाश्त नहीं करेंगे।

क्या कहा था राहुल ने

दरअसल, हाल ही में राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सरनेम पर की गई टिप्पणी सारे मोदी चोर क्यों होते हैं को लेकर दो साल की सजा के बाद सांसदी जाने को लेकर प्रेस कॉफ्रेंस की थी। राहुल गांधी ने बयान पर माफी मांगने को लेकर पूछे सवाल के जवाब में कहा था- मेरा नाम सावरकर नहीं गांधी है, मैं माफी नहीं मांगूंगा।

राहुल गांधी के इस बयान ने उद्धव ठाकरे के खेमे को गहरा आघात पहुंचाया। उद्धव ने राहुल गांधी को चेतावनी दी कि हमारे भगवान का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा था, मैं राहुल गांधी को बताना चाहता हूं कि हम एक साथ आए हैं, यह सही है, हम इस देश में लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए एक साथ आए हैं। लेकिन ऐसा कोई बयान न दें जो दरार पैदा करे।

डिनर मीटिंग में विपक्ष का सावरकर पर प्रस्ताव

सोमवार रात को खड़गे के आवास पर विपक्ष की आगे की रणनीति पर चर्चा की गई। इस बैठक में 17 विपक्षी दलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। आम आदमी पार्टी से लेकर ममता बनर्जी की टीएमसी के अलावा, छ्रब्य, शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड, तेलंगाना की सत्तारूढ़ भारत रक्षा समिति, RS, CPM, CPI, MDMK, KC, TMC, RSP, RJD, J&K के सदस्य बैठक में एनसी, आईयूएमएल, वीसीके, एसपी, झामुमो उपस्थित हुए। लेकिन, उद्धव की पार्टी ने इस बैठक से खुद को किनारे रखा। सूत्रों के अनुसार, यही मुद्दा डिनर मीटिंग के दौरान चर्चा का विशेष केंद्र था। ऐसे में नेताओं ने विपक्षी एकता पर जोर देते हुए सावरकर पर नये प्रस्ताव का दांव चला। यह फैसला लिया गया कि सावरकर पर विपक्षी नेता किसी भी टिप्पणी से खुद को दूर रखेंगे।

मुखपत्र में भी उद्धव की खरी-खरी-वीडी सावरकर के खिलाफ बयान पर शिवसेना ने अपने मुखपत्र सामना के संपादकीय में कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। संपादकीय में कहा गया, ÷सावरकर ने गुलामी और ब्रिटिश शासन के खिलाफ लड़ाई लड़ी। पार्टी उनका अपमान बर्दाश्त नहीं करेगी। संपादकीय में कहा गया, राहुल गांधी बार-बार %मेरा नाम सावरकर नहीं है जैसे बयान दे रहे हैं, लेकिन इस तरह के बयान देने से कोई बहादुर नहीं बनता।

दिल्ली-एनसीआर में फिर होगी बारिश, यूपी, उत्तराखंड और पंजाब समेत इन राज्यों में गिरेंगे ओले

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिम भारत में एक बार फिर मौसम बदलने वाला है। मौसम विभाग ने बताया कि 29 मार्च से उत्तर पश्चिम के कई राज्यों में बारिश और ओलावृष्टि होने का अनुमान है। इसके अलावा 30 और 31 मार्च को बिहार, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में बारिश होने की संभावना है।

इन राज्यों में ओलावृष्टि का अनुमान

मौसम विभाग की माने तो 30 और 31 मार्च को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, पश्चिम उत्तर प्रदेश में, जबकि 30 मार्च को राजस्थान में ओलावृष्टि हो सकती है। इसके अलावा 30 मार्च को छत्तीसगढ़, विदर्भ और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में ओलावृष्टि की संभावना है।

दक्षिण भारत में कब होगी बारिश?

आईएमडी ने बताया कि 31 मार्च तक तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी और केरल में गरज और बिजली के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है।

दिल्ली में आज छाए रहेंगे बादल-मौसम विभाग की वेबसाइट में बताया गया कि दिल्ली में आज आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। देश की राजधानी में अधिकतम तापमान में इजाफा देखने को मिलेगा। अधिकतम तापमान 31 डिग्री तक हो सकता है। वहीं, न्यूनतम तापमान 16 डिग्री दर्ज किया जा सकता है। दिल्ली में 30 और 31 मार्च को बारिश होने का अनुमान है।

फिलहाल लू चलने की संभावना नहीं-मौसम विभाग ने बताया कि अगले तीन दिनों के दौरान पश्चिम और मध्य भारत में अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री तक का इजाफा हो सकता है। उसके तीन दिनों के बाद इसमें गिरावट होगी। उत्तर पश्चिम भारत में अगले 3 दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में 2-4 डिग्री तक वृद्धि होगी। देश के बाकी हिस्सों में अगले 5 दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होने की संभावना है। अगले 5 दिनों के दौरान देश के किसी भी हिस्से में लू चलने की संभावना नहीं है।

99 रुपए जुर्माना, पीएम मोदी की तस्वीर फाड़ने वाले कांग्रेस विधायक को कोर्ट ने दी सजा

नवसारी। गुजरात के नवसारी की एक अदालत ने कांग्रेस विधायक अनंत पटेल को सजा सुनाई है। अनंत पटेल पर यह मामला साल 2017 के एक प्रदर्शन से जुड़ा है। उन पर एक कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति के कक्ष में प्रवेश करने और छात्रों के विरोध के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर फाड़ने का आरोप है। अदालत ने कांग्रेस विधायक पर लगे आरोपों को सही पाया और उन्हें सजा के तौर पर 99 रुपए जुर्माना भरने का आदेश दिया। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट वीए धधल की अदालत ने वंसदा (अनुसूचित जाति) सीट से विधायक अनंत पटेल को भारतीय दंड संहिता की धारा 447 के तहत आपराधिक अतिचार के लिए दोषी पाया। पटेल और युवा कांग्रेस के सदस्यों सहित छह अन्य पर आईपीसी की धारा 143 (गैरकानूनी विधानसभा), 353 (हमला), 427 (शरारत से 50 रुपये से ऊपर की हानि), 447 (आपराधिक अतिचार) और 504 (जानबूझकर अपमान) के तहत मामला दर्ज किया गया था। यह रिपोर्ट मई 2017 में जलालपुर पुलिस थाने में लिखी गई थी।

क्या था आरोप

अनंत पटेल और अन्य पर छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान नवसारी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति के कार्यालय में प्रवेश करने, खराब व्यवहार करने और वीसी की मेज पर रखे पीएम मोदी की तस्वीर को फाड़ने का आरोप लगा था। अदालत ने मामले में पटेल समेत तीन अभियुक्तों को आपराधिक अतिचार का दोषी पाया और उन्हें 99 रुपये का जुर्माना जमा करने का आदेश दिया। जुर्माना नहीं भरने की सूरत में उन्हें सात दिन कारावास की सजा सुनाई जाएगी।

पटेल को 3 महीने कैद की थी मांग-अभियोजन पक्ष की ओर से अनंत पटेल पर आईपीसी की धारा 447 के तहत अधिकतम सजा की मांग की गई। जिसमें तीन महीने तक की जेल और 500 रुपये का जुर्माना है। हालांकि, बचाव पक्ष के वकील ने मामले में दलील पेश की कि प्राथमिकी राजनीतिक प्रतिशोध का परिणाम है क्योंकि आरोपी विपक्षी दल कांग्रेस के सदस्य हैं।

बदरपुर इलाके में देर रात बड़ा हादसा, आग लगने के बाद 2 मंजिला इमारत गिरी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के बदरपुर इलाके में देर रात एक 2 मंजिला इमारत में भीषण आग लगने के बाद इमारत गिर गई। दमकल की टीम आग पर काबू पाने में जुटी है। हालांकि, अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दिल्ली फायर सर्विस के अधिकारियों के मुताबिक, आग बुझाने के लिए दमकल की 18 गाड़ियां मौके पर मौजूद हैं। बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर पर एक गोदाम था, जहां आग लगने की घटना हुई थी। दिल्ली फायर सर्विस के एडीपी राजेश शुक्ला ने बताया, मौके पर दमकल की 18 गाड़ियां मौजूद हैं। अभी कोई हताहत नहीं हुआ है और आग बुझाने का काम जारी है। आग को पूरी तरह से बुझाने के लिए मलबे को हटाने की जरूरत है, लेकिन आग काबू में है और आगे कोई समस्या नहीं होगी।

अग्निपथ योजना पर दिल्ली HC के फैसले को चुनौती, 10 अप्रैल को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को अग्निपथ योजना को बरकरार रखने के दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ दायर एक याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत हो गया। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस जेबी पार्डीवाला की पीठ ने मामले को दस अप्रैल को सुनवाई के लिए पोस्ट कर दिया। अग्निपथ योजना की घोषणा से पहले केंद्र ने सशस्त्र बलों में विभिन्न पदों पर भर्तियों की घोषणा की थी। कुछ भर्तियां चल रही थीं तो कुछ मामलों में चयनित उम्मीदवारों की लिस्ट लगने वाली थी लेकिन अग्निपथ योजना लाने के बाद केंद्र ने लंबित भर्ती प्रक्रियाओं को रद कर दिया था।

दिल्ली हाई कोर्ट ने अग्निपथ योजना को बरकरार रखते हुए थलसेना और वायु सेना द्वारा पूर्व में शुरू की गई भर्ती प्रक्रियाओं को पूरा करने की मांग करने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया था। अग्निपथ योजना के तहत साढ़े 17 से 23 वर्ष की आयु के लोग सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए आवेदन कर सकते हैं। इनका कार्यकाल चार साल का होगा। इस मामले में अब 10 अप्रैल को सुनवाई होगी।

पीठ ने कहा कि प्रतियोगी पक्षों के वकील लिस्टिंग की अगली तारीख से कम से कम दो दिन पहले अपनी संक्षिप्त दलीलें ईमेल के माध्यम से दाखिल करेंगे।

पीठ ने कहा कि प्रतियोगी पक्षों के वकील लिस्टिंग की अगली तारीख से कम से कम दो दिन पहले अपनी संक्षिप्त दलीलें ईमेल के माध्यम से दाखिल करेंगे। उच्च न्यायालय ने 27 फरवरी को कहा था कि अग्निपथ योजना राष्ट्रीय सुरक्षा को बनाए रखने के प्रशंसनीय उद्देश्य के साथ राष्ट्रीय हित में तैयार की गई थी।

अदालत ने योजना की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं के एक बैच को खारिज कर दिया था और इसे केंद्र का सुविचारित नीतिगत निर्णय करार दिया था। अग्निपथ योजना को चुनौती देने वाली याचिकाओं के अलावा, अदालत ने पिछले कुछ विज्ञापनों के तहत सशस्त्र बलों में भर्ती प्रक्रिया से संबंधित कई याचिकाओं को भी खारिज कर दिया था, जबकि स्पष्ट किया था कि ऐसे उम्मीदवार भर्ती के हकदार नहीं हैं।

पिछले विज्ञापनों से संबंधित दलीलों को खारिज करते हुए, उच्च न्यायालय ने कहा था कि अग्निपथ योजना जनहित में है और आवेदन शुरू करने से पहले जारी अधिसूचना के तहत शुरू की गई प्रक्रियाओं में उनकी भागीदारी के आधार पर उम्मीदवारों की किसी भी तरह की भर्ती नहीं की जा सकती है। अधिकार नई नीति का दावा नहीं कर सकते।

मुसलमानों को रामकथा सुनाएंगे धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री, कहा- 4-5 साल में दूसरे धर्म वाले भी बोलेंगे हरि-हरि

जबलपुर। बागेश्वर धाम वाले धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने की बात करने वाले धीरेंद्र शास्त्री ने कहा है कि उन्हें मुसलमानों ने रामकथा के लिए आमंत्रित किया है, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया है।

शास्त्री ने जबलपुर में अपनी कथा के दौरान कहा कि कटनी के उनके मुस्लिम भक्त तनवीर खान ने रामकथा सुनने की इच्छा जाहिर की थी। कथा के दौरान धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि यदि वह 4-5 साल जिंदा रहे तो दूसरे धर्म के लोग भी हरि-हरि करेंगे। अपने बयानों और चमत्कारी दावों को लेकर अक्सर चर्चा में रहने वाले धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने मुसलमानों को कथा सुनाने की चर्चा करते हुए कहा, इतिहास में पहली बार ऐसा होगा, हमारे प्रिय भक्त और शिष्य मुस्लिम समाज के तनवीर खान जी कटनी में पूरा मुसलमान समाज तीन दिन की हमारी कथा कराएगा। उसे सब तानू कहते हैं, आया भी है। ये वहां के मुस्लिम समाज के अध्यक्ष भी हैं। इन्होंने कहा कि गुरुजी हमारी भी इच्छा है कि कथा हो जाए। तो मैंने कहा कि इसमें क्या बुराई है। तुम पूरे समाज को बुलाओ। सब टोपी वालों को

बुलाओ, सबको एक होने दो। क्या दिक्कत है रामकथा में।

जबलपुर में ही कथा के दौरान धीरेंद्र शास्त्री की कही एक और बात की चर्चा हो रही है। उन्होंने मंच से कहा, हम भारत में चाहते हैं कि पूजा के नाम पर, दरबार के नाम पर, धामों के नाम पर, भगवान के नाम पर जो धंधा चलता है, उसे नहीं चलने देंगे। यह हमारा भरोसा है। तुम चिंता मत करो सिर्फ 4-5 साल का टाइम दो, हम जिंदा रहे तो दूसरे धर्म वाले भी हरि-हरि बोलेंगे। कह दिया हमने साथ हरि-हरि बोलेंगे। हम बुलवाकर रहेंगे।

बागेश्वर धाम वाले धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने की बात करने वाले धीरेंद्र शास्त्री ने कहा है कि उन्हें मुसलमानों ने रामकथा के लिए आमंत्रित किया।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने मानहानि के मुकदमे में उद्धव और आदित्य ठाकरे को समन जारी किया

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, उनके बेटे आदित्य ठाकरे और राज्यसभा सदस्य संजय राउत को सांसद राहुल रमेश शेवाले की ओर से दायर मानहानि के मुकदमे में मंगलवार को समन जारी किया। राहुल रमेश शेवाले ने उनपर और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाने को लेकर उद्धव ठाकरे, आदित्य ठाकरे और संजय राउत के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया है। न्यायमूर्ति प्रतीक जालान ने मानहानि का मुकदमा विचारार्थ स्वीकार कर लिया और इस सिलसिले में उद्धव, आदित्य और राउत को समन जारी किया। इसके अलावा उच्च न्यायालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से कथित मानहानिकारक सामग्री को हटाने की मांग वाली याचिका पर गूगल, ट्विटर, उद्धव, आदित्य और राउत को 30 दिनों के भीतर अपने लिखित बयान दाखिल करने को कहा है। अदालत ने इस मामले की आगे की सुनवाई के लिए 17 अप्रैल की तारीख तय की है। सांसद राहुल रमेश शेवाले का प्रतिनिधित्व वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव नायर और अरविंद वर्मा के अलावा चिराग शाह और उत्सव त्रिवेदी ने किया।

अब 300 रुपए में होंगे केदारनाथ और बद्रीनाथ के विशेष दर्शन

देहरादून। अब केदारनाथ और बद्रीनाथ के विशेष दर्शन के लिए 300 रुपए देने होंगे। इसकी घोषणा श्री बद्रीनाथ-केदारनाथ टेंपल कमेटी (बीकेटीसी) ने की है। इसके साथ ही केदारनाथ में 100 किलोग्राम के त्रिशूल की स्थापना की जाएगी। प्रोटोकॉल की व्यवस्था टेंपल कमेटी के कर्मचारी ही देखेंगे। बीकेटीसी ने पिछले दिनों देश के 4 प्रमुख मंदिरों तिरुपति बालाजी, श्रीवैष्णो देवी, श्रीमहाकालेश्वर और श्रीसोमनाथ मंदिरों में पूजा, दर्शन की व्यवस्थाओं के प्रबंधन के अध्ययन के लिए 4 टीमें भेजी थीं। टीम की रिपोर्ट के आधार पर बीकेटीसी ने बद्रीनाथ और केदारनाथ मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले सभी तरह के वीआईपी से विशेष दर्शनों और प्रसाद के लिए प्रति व्यक्ति 300 रुपए का शुल्क निर्धारित किया गया है। बीकेटीसी के कैनाल रोड स्थित कार्यालय में अध्यक्ष अजेंद्र अजय की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में बजट को बोर्ड के समक्ष रखा गया। बीकेटीसी बोर्ड बैठक में आगामी वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 76,25,76,618 रुपए का बजट प्रस्तावित किया है। बैठक में आगामी कार्यों को लेकर भी कार्ययोजना को स्वीकृति दी गई। बीकेटीसी के मुख्य कार्याधिकारी योगेंद्र सिंह ने बजट प्रस्तुत करते हुए कहा कि बद्रीनाथ के लिए 39,90,57,492 करोड़ और केदारनाथ के लिए 36,35,19,126 करोड़ का आउटले (परिव्यय) प्रस्तावित है। केदारनाथ में 100 किग्रा का अष्टधातु का त्रिशूल स्थापित किया जाएगा।

ऑनलाइन गेमिंग की लत में बैंक अधिकारी ने किया 55 करोड रुपए का गबन

नई दिल्ली। पंजाब एंड सिंध बैंक के एक अधिकारी को ऑनलाइन गेम खेलने की लत लग गई। वेदांशु शेखर मिश्रा दिल्ली विश्वविद्यालय के खालसा कॉलेज में पंजाब एंड सिंध बैंक की नार्थ कैंपस शाखा का प्रबंधक था। सीबीआई ने इस अधिकारी को 55 करोड़ रुपए से अधिक के गबन मामले में आरोपी बनाया है। बैंक अधिकारी ने मई से लेकर सितंबर 2022 के बीच में ऑनलाइन गेम खेलने के लिए बैंक के खातेदारों के अकाउंट से पैसे निकाल कर गबन किया है। इसमें इसका एक साथी शैलेश कुमार जायसवाल भी शामिल था। आरोपी वेदांशु शेखर मिश्रा ने खालसा कॉलेज की 48.6 करोड़ रुपए की फिक्स डिपॉजिट और कॉलेज के कई खातों से 6.7 करोड़ रुपए के मुद्रा लोन का गैर कानूनी तरीके से उपयोग किया। इस राशि को कैरीबियन गेमिंग वेबसाइट पर गेम खेलने में खर्च कर दिया। यह वेबसाइट भारत में प्रतिबंधित है।

बार-बार प्रोटोकॉल तोड़ रहा चीन, आर्मी चीफ बोले- सीमा पर अब घुसपैठ हुई तो देंगे करारा जवाब

नई दिल्ली। चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर उल्लंघन तनाव के बढ़ने का एक संभावित कारण है। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने कहा है, भारत के पास पर्याप्त भंडार है और किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। एक कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने यह भी कहा कि चीन संयुक्त राज्य अमेरिका को वैश्विक शुद्ध सुरक्षा प्रदाता के रूप में बदलना चाहता है और कट्टर प्रतिद्वंद्वी सऊदी अरब और ईरान के बीच हाल की शांति वार्ता और शांति योजना की योजना बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सेना प्रमुख ने कहा कि चीन ने सैन्य अभियानों को लामबंद करने, लागू करने और बनाए रखने की महत्वपूर्ण क्षमता हासिल कर ली है और लंबे समय से लंबित सीमा मुद्दे को दो एशियाई दिग्गजों के बीच द्विपक्षीय संबंधों से अलग नहीं किया जा सकता है। जनरल पांडे ने कहा कि पिछले समझौतों/प्रोटोकॉल के उल्लंघन में एलएसी के पार जाने के चीनी प्रयास भारत के लिए चिंता का विषय बने हुए हैं, लेकिन सेना की तैयारी उच्च बनी हुई है, तब से पूर्वी लद्दाख में सीमा गतिरोध की पृष्ठभूमि में टिप्पणियां मई 2020 आ रही हैं।

पंजाब सरकार ने तीन लाख से ज्यादा दिव्यांगजनों को यूडीआईडी कार्ड जारी किए

चंडीगढ़। पंजाब की सामाजिक सुरक्षा, महिला और बाल विकास मंत्री बलजीत कौर ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार ने तीन लाख से ज्यादा दिव्यांग जनों को विशिष्ट दिव्यांग पहचान पत्र (यूडीआईडी) जारी किए हैं। एक सरकारी बयान के मुताबिक, एक ही कार्ड के आधार पर दिव्यांग लोगों को केंद्र और पंजाब सरकार की विभिन्न योजनाओं और सेवाओं का लाभ देने के लिए एक यूडीआईडी बनाई गई है और राष्ट्रीय स्तर पर इसका डेटाबेस तैयार किया जा रहा है। सामाजिक सुरक्षा, महिला और बाल विकास मंत्री कौर ने कहा, ' पंजाब सरकार ने 23 मार्च 2023 तक राज्य में 3,07,219 दिव्यांग व्यक्तियों को यूडीआईडी कार्ड जारी किए हैं।' कौर ने कहा कि पंजाब सरकार दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और उनके लिए एक ' दिव्यांग प्रकोष्ठ स्थापित किया गया है।

पाकिस्तान के पूर्व आर्मी चीफ के बेटे की कंपनी करती थी दलजीत कलसी को फाइनेंस

-आईएसआई के संपर्क में था अमृतपाल का करीबी

चंडीगढ़। खालिस्तानी समर्थक अमृतपाल सिंह ने पंजाब पुलिस के साथ-साथ सुरक्षा एजेंसियों के नाक में दम कर रखा है। वह बार-बार अपना हुलिया बदलकर पुलिस को चकमा देने में कामयाब हो रहा है। वहीं पुलिस केवल सीसीटीवी फुटेज खंगालती दिख रही है। इस बीच अमृतपाल के सबसे करीबी दलजीत कलसी को लेकर सुरक्षा एजेंसियों ने बड़ा खुलासा किया है। सुरक्षा एजेंसियों ने दावा किया है कि अमृतपाल का फाइनेंसर कलसी पाकिस्तान के पूर्व आर्मी चीफ कमर जावेद बाजवा के बेटे का करीबी है। बाजवा के बेटे साद बाजवा की कंपनी कलसी को पैसे फाइनेंस करती थी। सुरक्षा एजेंसियों ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि साद बाजवा की कंपनी दुबई में है। इसके अलावा दिल्ली के सुभाष चौक का एक और बड़ा फाइनेंसर भी कलसी के लिए काम करता था। कलसी दो महीने के लिए दुबई भी गया था,जहां उसके दुबई में रुकने की व्यवस्था खालिस्तानी आतंकी लांडा हरिके ने की थी। सुरक्षा एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि कलसी पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के संपर्क था। कलसी के लिंक बमबीहा गैंग के करीबी गैंगस्टर से भी जुड़े मिले हैं। दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद गैंगस्टर नीरज बवानिया से भी कलसी की करीबी है। काफी पहले कलसी ने दिल्ली में अपना ऑफिस खोला हुआ था और पंजाब में मॉडलिंग या फिल्मों में काम दिलवाने का काम करता था। उसके बाद उसने कुछ समय के लिए नीरज बवाना के साथ एक्सटोर्शन मांगना शुरू किया। सूत्रों के मुताबिक कलसी अमृतापाल का सबसे बड़ा राजदार और करीबी है। कलसी को हाल में पंजाब पुलिस ने गुरुग्राम से पकड़ा था। एजेंसी के पास इसके कई ठिकानों की जानकारी है। कलसी कई विदेशी यात्रा कर चुका है। फिलहाल पंजाब पुलिस इससे पूछताछ कर कई महत्वपूर्ण जानकारी हासिल कर चुकी है। हालांकि अमृतपाल अभी भी पंजाब पुलिस की गिरफ्त से बाहर है।

सुवेंदु अधिकारी का ममता बनर्जी पर निशाना, बोले- घुसपैठियों को अंदर लाकर बंगाल को बनाया राष्ट्र विरोधी गतिविधियों का हब

कोलकाता (एजेंसी)। 2024 चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज होते दिखाई दे रही है। पश्चिम बंगाल में भी भाजपा जबरदस्त तरीके से जमीन पर मेहनत कर रही है। पश्चिम बंगाल की ममता सरकार पर भी भाजपा का निशाना जारी है। एक बार फिर से पश्चिम बंगाल में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी और उनकी सरकार पर निशाना साधा है। सुवेंदु अधिकारी ने साफ-साफ कहा है कि घुसपैठियों को अंदर लाकर ममता बनर्जी ने बंगाल को राष्ट्र विरोधी गतिविधियों का हूब बना दिया है। उन्होंने अपने बयान में कहा कि बंगाल में ममता बनर्जी हर चीज में फेल हुई हैं। घुसपैठियों को अंदर लाकर ममता बनर्जी ने बंगाल को राष्ट्र विरोधी गतिविधियों का हब बना दिया है। बंगाल की हालत भी सुधारेगी लेकिन कुछ समय और लगेगा।

इससे पहले भाजपा नेता ने एक प्रेस वार्ता में कहा था कि 30 मार्च को 'राम नवमी' का महापर्व है, उस दिन पूरा देश, सनातन संस्कृति को मानने वाला हर नागरिक 'राम नवमी' का त्योहार मनाता है। उस दिन पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने छुट्टी भी नहीं दी और धरना प्रदर्शन घोषित कर दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे शुभ दिन पर ऐसा करना दुर्भाग्यपूर्ण है। यह सब गढ़ा गया है। राज्य में अन्य पहलुओं के साथ-साथ आर्थिक स्थिति बिगड़ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि अभी बंगाल में शिक्षित बेरोजगार युवाओं का आंकड़ा दो करोड़ पहुंच गया है। अवैध घुसपैठियों की संख्या वर्ष 2011 में 5 लाख के आस-पास थी, आज अवैध घुसपैठियों की संख्या में 9 गुना वृद्धि हो चुकी है और ये आंकड़ा 45 लाख पहुंच चुका है।

भाजपा सांसद लॉकेट चटर्जी ने कहा था कि पश्चिम बंगाल में चल रहे मुद्दे पूरे देश के सामने स्पष्ट हैं। विशेष रूप से, पीएम मोदी जी की सरकार की कल्याणकारी नीतियां किसी भी मायने में भेदभावपूर्ण नहीं हैं, और वे समान रूप से पश्चिम बंगाल के लिए भी हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार धर्म या जाति की राजनीति में विश्वास नहीं करती है और 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के मिशन के साथ आगे बढ़ रही है। दूसरी ओर, पश्चिम बंगाल सिर्फ नीतियों का नाम बदल देता है, इनमें एक पैसा भी योगदान नहीं देता है और श्रेय हड़प लेता है। यह टीएमसी का स्वभाव रहा है। यह दुर्भाग्य की बात है।

पेन को आधार से जोड़ने की समयसीमा बढ़कर 30 जून हुई

नयी दिल्ली। सरकार ने स्थायी खाता संख्या (पैन) को आधार से जोड़ने की समयसीमा तीन महीने बढ़ाकर 30 जून, 2023 कर दी है। एक आधिकारिक बयान में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। इससे करदाताओं को इस प्रक्रिया के लिए कुछ और समय मिल सकेगा। पहले इसकी समयसीमा 31 मार्च थी। बयान में कहा गया है कि कोई भी व्यक्ति संबंधित प्राधिकरण को आधार-पैन को जोड़ने के लिए अपनी आधार संख्या की जानकारी दे सकेगा। आयकर अधिनियम, 1961 के तहत किसी भी व्यक्ति जिसे एक जुलाई, 2017 तक पैन आवंटित किया गया है और वह आधार नंबर पाने का पात्र है, उसे संबंधित प्राधिकरण को तय शुल्क के भुगतान के साथ 31 मार्च, 2023 तक अपने आधार नंबर की जानकारी देने की जरूरत होगी। ऐसा करने पर विफल होने पर एक अप्रैल, 2023 से उनपर जुर्माना लग सकता है। अब पैन को आधार से जोड़ने की समयसीमा को बढ़ाकर 30 जून, 2023 कर दिया गया है। एक जुलाई, 2023 से ऐसे करदाता जो अपने आधार की जानकारी देने में विफल रहे हैं उनका पैन निष्क्रिय हो जाएगा। अभी तक 51 करोड़ पैन को आधार से जोड़ा जा चुका है।

भारत-अफ्रीका सेना प्रमुखों का सम्मेलन

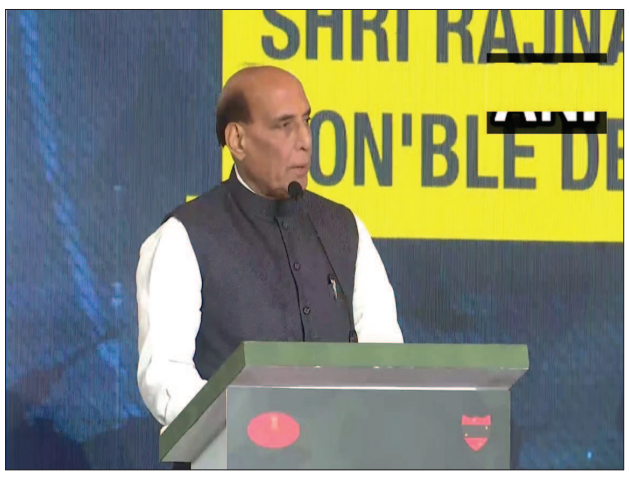

रक्षा मंत्री बोले- हमारी साझेदारी मित्रता, सम्मान और पारस्परिक लाभ के सिद्धांतों पर आधारित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-अफ्रीका सेना प्रमुख सम्मेलन का आयोजन पुणे में हो रही है। इस बैठक को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संबोधित किया। अपने संबोधन में राजनाथ ने कहा कि सहस्राब्दियों से भारत और अफ्रीका का समृद्ध इतिहास रहा है। संपूर्ण मानवता के दृष्टिकोण से भी अफ्रीका मानता है कि महाद्वीप, नस्ल या जातीयता की अपेक्षा के बिना अफ्रीका सभी मानवता का उद्गम स्थल है। उन्होंने कहा कि भारत एक युवा आबादी और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के साथ दुनिया की सबसे प्राचीन सभ्यताओं में से एक है। उन्होंने कहा कि हमारे लोगों के लिए समृद्धि और गरिमापूर्ण जीवन हासिल करने की हमारी साझी खोज में भारत और अफ्रीका के बीच साझेदारी की स्वाभाविक भावना है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत अफ्रीका के विऔपनिवेशीकरण के सबसे मजबूत समर्थकों में से एक रहा है, और उसने अफ्रीका में साम्राज्यवादी, नस्लवादी और रंगभेद शासन के अंत के लिए काम किया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि एक राष्ट्र के रूप में, हमारे मन में अपने अफ्रीकी भाइयों और बहनों के लिए बहुत सम्मान और स्नेह है। उन्होंने कहा कि अफ्रीका आज एक अरब से अधिक जीवंत लोगों का घर है, जिनमें से दो तिहाई से अधिक 35 वर्ष से कम आयु के हैं। यदि इस मानव पूंजी को सही अवसरों के साथ समर्थन दिया जाता है, तो यह न केवल अफ्रीका के लिए विकास का इंजन बन जाएगा, बल्कि पूरी दुनिया के लिए भी।

राजनाथ ने कहा कि नई और उभरती प्रौद्योगिकियां हमें इस तकनीकी अंतर को दूर करने का अवसर देती हैं। मैं दो ऐसी उभरती प्रौद्योगिकियों, डिजिटल प्रौद्योगिकियों और स्वच्छ और हरित प्रौद्योगिकियों का स्पष्ट रूप से उल्लेख करना चाहूंगा। हम इन दो क्षेत्रों में अपने विकास के अनुभवों को साझा करना चाहते हैं, ताकि हमारे अफ्रीकी साझेदार हमारी विशेषज्ञता से लाभान्वित हो सकें। एक विशेष उदाहरण भारत के क्ष्रु के नवाचार के माध्यम से डिजिटल प्रौद्योगिकी के माध्यम से संपूर्ण नागरिक वर्ग का वित्तीय समावेशन है। उन्होंने कहा कि हमारे विचारों और प्रथाओं का आदान-प्रदान एकतरफा मामला नहीं होगा। हम अपने अफ्रीकी मित्रों के अनुभवों से भी सीखना चाहेंगे।

राजनाथ ने यह भी कहा कि हमारा भारतीय रक्षा उद्योग आपकी रक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आपके साथ काम कर सकता है। अपने अफ्रीकी मित्रों को उनकी रक्षा आवश्यकताओं को स्वदेशी रूप से पूरा करने के लिए सशक्त बनाने के उद्देश्य से, हम रक्षा निर्माण, अनुसंधान एवं विकास में अपनी विशेषज्ञता और ज्ञान को साझा करने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि हमारी साझेदारी मित्रता, सम्मान और पारस्परिक लाभ के सिद्धांतों पर आधारित है। भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने जुलाई 2018 में युगांडा की संसद को अपने संबोधन के दौरान कहा था कि अफ्रीका भारत के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है।

राहुल गांधी को अडानी पंसद नहीं, तब जीजा रॉबर्ट वाड्रा के साथ क्यों दिख रहे : स्मृति ईरानी

-पीएम की छवि खराब करने का राहुल का सपना पूरा नहीं होगा

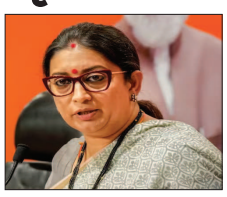

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने प्रेसवार्ता को संबोधित कर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व सांसद राहुल गांधी को उनके मोदी सरनेम वाले बयान पर आड़े हाथ लिया। अडानी मुद्दे पर कांग्रेस के विरोध के बीच, स्मृति ईरानी ने गौतम अडानी के साथ राहुल गांधी के जीजा रॉबर्ट वाड्रा की एक पुरानी तस्वीर को लेकर भी हमला किया।

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने 2009 की एक तस्वीर का जिक्र किया, जिसमें कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के दामाद रॉबर्ट वाड्रा को अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी के साथ दिखाया गया था, केंद्रीय मंत्री ईरानी ने पूछा कि वाड्रा को अडानी के साथ हाथ मिलाते हुए क्यों देखा गया? केंद्रीय मंत्री ने पूछा, अगर उन्हें (रागा को) अडानी से समस्या है, तब रॉबर्ट वाड्रा को अडानी के साथ हाथ मिलाते हुए क्यों देखा जाता है?

स्मृति ईरानी ने कहा कि राहुल गांधी की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति नफरत उनके यूके दौरे के दौरान दिखाई दे रही थी। राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर हमला करते हुए सोचा कि पूरे ओबीसी समुदाय पर हमला करना उनका अधिकार है। स्मृति ईरानी ने कहा, 4 मई, 2019 को, राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी की शक्ति उनकी छवि है और वह यह सुनिश्चित करने के लिए काम करुंगा, कि वह उस छवि को खराब करें। गांधी परिवार द्वारा यह पहला हमला नहीं था। ईरानी ने कहा, राजनीतिक हताशा में, राहुल गांधी की पीएम मोदी के प्रति नफरत उनके यूके दौरे के दौरान दिखाई दे रही थी, उन्होंने कहा, हालांकि, नरेंद्र मोदी पर हमला करते हुए, उन्होंने पूरे ओबीसी समाज पर हमला करना सही समझा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, यहां तक कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पर भी कांग्रेस पार्टी ने हमला किया था और राहुल गांधी को एक दलित नेता को अपनी चप्पल ले जाने के लिए कहते हुए देखा गया था। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि राहुल गांधी ने प्रेसवार्ता के दौरान एक मीडियाकर्मी पर हमला कर झूठी बहादुरी दिखाई। प्रधानमंत्री मोदी पर स्मृति ईरानी ने कहा, पीएम मोदी की छवि खराब करने का राहुल गांधी का वादा पूरा नहीं होगा, क्योंकि नरेंद्र मोदी की ताकत भारत की जनता है।

सावरकर के पोते की राहुल गांधी को चुनौती, माफी मांगे नहीं तब करुंगा उनके खिलाफ एफआईआर

-सावरकर ने माफी मांगी इसके साक्ष्य दिखाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई (ईएमएस)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व सांसद राहुल गांधी की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। एक ओर जहां मानहानि मामले में 2 साल की सजा मिलने के बाद उनके लोकसभा सदस्यता चली गई है। वहीं दूसरी ओर उनके बयान को लेकर सरगर्मियां जारी है। हाल में ही राहुल गांधी ने कहा था कि वह सावरकर नहीं हैं, राहुल गांधी है, और गांधी कभी माफी नहीं मांगते। इस लेकर अब सावरकर के पोते ने जबरदस्त तरीके से राहुल गांधी पर पलटवार किया है। सावरकर के पोते ने पहले चुनौती दी थी राहुल गांधी इस बात को साबित करें कि सावरकर ने माफी मांगी थी। अब सावरकर के पोते रंजीत सावरकर ने कहा है कि अगर राहुल गांधी अपने बयान को लेकर माफी नहीं मांगते हैं, तब मैं उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराऊंगा। भाजपा भी पूरे मुद्दे को लेकर राहुल गांधी पर हमलावर हैं।

वीडी सावरकर के पोते रंजीत ने साफ तौर पर कहा कि अगर राहुल गांधी सावरकर पर अपने बयान के लिए माफी नहीं मांगते हैं, तब मैं उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करूंगा। रंजीत सावरकर ने कहा कि संजय राउत और पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे के मन में सावरकर के प्रति सम्मान हो सकता है, लेकिन जब तक वे सावरकर के लिए अपना समर्थन नहीं दिखाते, तब तक इसका कोई मतलब नहीं है। अल्टीमेटम देने के बाद भी कांग्रेस नहीं रुकी और उन्होंने (उद्धव ठाकरे गुट) अभी तक कांग्रेस को अलग नहीं किया। साथ ही उन्होंने कहा कि एनसीपी सुप्रीमो शरद पवार जी के मन में सावरकर के लिए बहुत सम्मान है, लेकिन उन्हें आगे बढ़कर राहुल गांधी से सावरकर पर अब तक दिए गए अपने बयानों के लिए माफी मांगने के लिए कहना चाहिए।

विवाह की उम्र समान करने के अनुरोध वाली याचिका खारिज

-यह मामला विधायिका के अधिकार क्षेत्र का है, संसद तय करे- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए विवाह की न्यूनतम उम्र 21 वर्ष करने के अनुरोध वाली याचिका पर सोमवार को विचार करने से इनकार कर दिया और कहा कि यह उम्र तय करने के लिए संसद को कानून बनाने का निर्देश देने जैसा होगा। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस पीएस नरसिंह और जस्टिस जेबी पारदीवाला की पीठ ने कहा कि वह इस मुद्दे पर विचार नहीं करेगी तथा यह मामला विधायिका के अधिकार क्षेत्र में आता है।

शीर्ष अदालत ने 20 फरवरी के अपने आदेश का हवाला दिया, जिसमें उसने अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय द्वारा दायर एक अन्य जनहित याचिका को खारिज कर दिया था। इस याचिका में भी पुरुषों और महिलाओं के लिए विवाह की कानूनी उम्र में समानता की मांग की गई थी। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि यह कानून बनाने जैसा होगा, यह विधायिका के अधिकार क्षेत्र में आता है। एक प्रावधान को खत्म करने से ऐसी स्थिति पैदा होगी जहां महिलाओं की शादी के लिए कोई न्यूनतम आयु नहीं होगी।

सीजेआई ने कहा कि अगर अदालत इस दलील पर विचार करेगी तो यह संसद को न्यूनतम आयु तय करने का निर्देश देने जैसा होगा। पीठ ने कहा कि इन कार्यवाहियों में चुनौती पुरुषों और महिलाओं की शादी की उम्र पर पर्सनल लॉ को लेकर है। हमने 20 फरवरी, 2023 को अश्विनी उपाध्याय बनाम भारत संघ के एक समान मामले में फैसला किया है पारित आदेश के मद्देनजर याचिका खारिज की जाती है। शाहिदा कुरैशी द्वारा दायर याचिका में महिलाओं के लिए शादी की कानूनी उम्र बढ़ाकर पुरुषों के बराबर 21 साल करने का अनुरोध किया गया था।

भाजपा ओबीसी के नाम पर केवल कर रही राजनीति, उसे उनकी कोई चिंता नहीं: अधीर रंजन चौधरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ओबीसी के नाम पर केवल राजनीति कर रही है और उसे उनकी कोई चिंता नहीं है। यह बात लोकसभा में कांग्रेस पार्टी के नेता अधीर रंजन चौधरी ने मंगलवार को कही। उन्होंने कहा कि इसका ओबीसी से कोई लेना-देना नहीं है। न तो मोदी और न ही स्मृति ईरानी को ओबीसी समुदाय का ठेकेदार बनना चाहिए। वे ओबीसी के नाम पर राजनीति करना चाहते हैं और कुछ नहीं, वे राहुल गांधी से दूर भाग रहे हैं। पीएम मोदी ने आज स्मृति ईरानी को तैनात किया है। अगर वह नहीं कहती हैं, तो उसकी नौकरी चली जाएगी। उन्होंने संसद में नहीं बोलने और मीडिया से बचने के लिए भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला। अधीर रंजन ने कहा कि असली मुद्दों के साथ हमारे पास आइए, अगर आप (पीएम मोदी) में हिम्मत है तो मीडिया के सामने बैठिए और उनसे कहिए कि आपसे कुछ भी पूछें। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए विगत दिवस कहा था कि राजनीतिक हताशा के चलते पीएम मोदी के प्रति राहुल गांधी की नफरत अब पूरे देश के अपमान में तब्दील हो गई है। उन्होंने पीएम का अपमान करते हुए पूरे ओबीसी समुदाय का अपमान कर डाला।

बिहार: अचानक बीजेपी एमएलसी के घर पहुंचे नीतीश कुमार, आखिर क्या संदेश देने की हो रही कोशिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता रद्द किए जाने को लेकर विपक्षी एकता साफ तौर पर दिखाई दे रही है। हालांकि, सबकी निगाहें बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर है। नीतीश कुमार ने अब तक इस मामले को लेकर चुप्पी साधी हुई है। हालांकि, उनकी पार्टी विपक्ष की बैठकों में जरूर शामिल हो रही है। लेकिन नीतीश के चुप्पी पर कई तरह के सवाल उठाए जा रहे हैं। इन सबके बीच छठ के अवसर पर नीतीश कुमार अचानक ही भाजपा के एमएलसी संजय मयूख के घर खरना का प्रसाद खाने पहुंचे। अब इसको लेकर बिहार में एक बार फिर से चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। संजय मयूख के घर नीतीश कुमार का पहुंचना इसलिए भी अहम हो जाता है क्योंकि भाजपा एमएलसी को दिल्ली में बड़ी जिम्मेदारी मिली हुई है और वह नरेंद्र मोदी और अमित शाह के भी खास माने जाते हैं।

नीतीश कुमार भाजपा एमएलसी के घर कुछ देर रुके, बातचीत की और घटना का प्रसाद खाकर वहां से चले गए। यह पूरी तरह से शिष्टाचार मुलाकात थी। इससे पर कुछ देर पहले कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह भी संजय मयूख के घर पहुंचे थे। हालांकि, चर्चा इसलिए हो रही है क्योंकि नीतीश कुमार राहुल गांधी प्रकरण को लेकर पूरी तरह से चुप हैं और अगस्त में एनडीए से अलग होने के बाद जिस तरीके से भी भाजपा पर हमलावर थे, अब वैसा रुख उनका नहीं रहा। भाजपा को लेकर वह लगातार नरम दिखाई दे रहे हैं। यही कारण है कि राजद के अलावा कांग्रेस सहित कई अन्य दलों के लिए नीतीश कुमार अब एक चिंता का विषय बने हुए हैं। नीतीश कुमार के कदम को देखा जाए तो वह महागठबंधन के दूसरे नेताओं से अलग है। बीजेपी से भी उनके नजदीकिया बढ़ती दिखाई दे रही।

सवाल यह है कि अब नीतीश कुमार के मन में क्या चल रहा है? सूत्रों ने दावा किया है कि नीतीश कुमार राजद के साथ गठबंधन में बहुत ज्यादा कंफर्टेबल नहीं है। नीतीश कुमार चुप रह कर भी बहुत बड़ा संदेश दिया करते हैं। अप्रैल 2022 में जब नीतीश कुमार राबड़ी देवी के आवास पर इफ्तार पार्टी में पहुंचे थे तो चर्चाओं के दौर शुरू हो गए थे और जिस बात की चर्चा शुरू हुई थी, वह दो-तीन महीने बाद घटित भी हो गई। इसी कारण इस बार भी नीतीश कुमार का संजय मयूख के घर जाना काफी कुछ बता रहा है।

एक महिला ने 9 साल के 3 छात्रों तथा 3 वरिष्ठ नागरिकों की गोली मारकर कर दी हत्या

- अमेरिका के नैशविल में निजी स्कूल में महिला ने की वारदात

नैशविल । यूएस यानी अमेरिका में अक्सर गोलीबारी की घटनाएं होती रहती हैं।अब सोमवार को नैशविल में एक निजी क्रिश्चियन स्कूल में एक महिला ने नौ साल के तीन छात्रों तथा तीन वरिष्ठ नागरिकों की गोली मारकर हत्या कर दी। मीडिया के अनुसार पुलिस ने संदिग्ध महिला को मार गिराया। उसके पास 'असॉल्ट स्टाइल' की तीन राइफल और एक पिस्तौल थी।ऐसा माना जा रहा है कि वह नैशविल में द कोवेनेंट स्कूल की भूतपूर्व छात्रा थी, जहां यह गोलीबारी हुई। मृतकों की शिनाख्त नौ वर्षीय एवलिन डिकहॉस, हेली स्क्रग्स और विलियम किने तथा सिंथिया पीक (61), कैथरीन कूंस (60) और माइक हिल (61) के रूप में की गई है। कैथरीन कूंस को स्कूल की वेबसाइट पर स्कूल की प्रमुख बताया गया है। द कोवेनेंट स्कूल पर यह हमला ऐसे वक्त में हुआ है जब देश स्कूलों में हिंसा की घटनाओं से जूझ रहा है। इस स्कूल में करीब 200 छात्र और 50 कर्मचारी कार्यरत हैं। हालांकि, अभी संदिग्ध की पहचान तथा घटना के पीछे के उद्देश्य की जानकारी नहीं दी गयी है। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने सोमवार को व्हाइट हाउस में एक अन्य कार्यक्रम में इस गोलीबारी को किसी ''परिवार का सबसे खराब दु:स्वप्न बताया और संसद से कुछ अर्द्ध-स्वचालित हथियारों पर प्रतिबंध लगाने का फिर से अनुरोध किया।

भीषण भूस्खलन में 7 लोगों की मौत, कई मकान जमींदोज, 62 लोग लापता

-मध्य इक्काडोर के एलौसी में खिसकी धरती

एलौसी । आजकल दुनिया में कहीं न कहीं भूस्खलन हो रहा है और भूकंप आ रहे हैं।अब मध्य इक्काडोर के एलौसी में भीषण भूस्खलन में कम से कम 7 लोगों की मौत हो गयी और कई मकान जमींदोज़ हो गए। पहले अधिकारियों ने 16 लोगों की मौत होने की जानकारी दी थी, लेकिन राष्ट्रपति गुइलेरमो लासो ने 7 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की। उन्होंने सोमवार रात को राजधानी क्विटो से करीब 137 मील दक्षिण में स्थित एलौसी में घटनास्थल का दौरा किया। अधिकारियों ने 62 लोगों के लापता होने की जानकारी दी है। इक्काडोर के आपदा प्रबंधन सचिवालय के पदाधिकारियों ने बताया कि विगत दिवस पर्वत की ओर की जमीन धंसने के बाद 30 से अधिक लोगों को बचाया गया। 23 लोग घायल हो गए हैं। सचिवालय की ओर से जारी बयान में बताया गया कि इस आपदा की वजह से करीब 500 लोग और 163 मकान प्रभावित हुए हैं।

मॉस्को ने जापान सागर में जहाजरोधी मिसाइलों का किया परीक्षण

- रूसी विदेश मंत्रालय ने किया दावा, जापान ने नहीं दी कोई प्रतिक्रिया

मॉस्को । रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा कि मंगलवार को दो नौकाओं ने करीब 100 किलोमीटर दूर दुश्मन के युद्धपोत पर मिसाइल हमले का अभ्यास किया। मॉस्को ने जापान सागर में जहाजरोधी मिसाइलों का परीक्षण किया है। रूस के दो मॉस्किट क्रूज मिसाइलों ने लक्ष्य को सफलतापूर्वक भेदा। मॉस्किट एक सुपरसोनिक जहाजरोधी क्रूज मिसाइल है, जिसमें परमाणु हमला करने की भी क्षमता है। मंत्रालय के अनुसार यह अभ्यास जापान सागर में 'पीटर द ग्रेट बे' में हुआ। हालांकि जापान के रक्षा मंत्रालय ने अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

फिलीपींस में सिख दंपति की गोली मारकर हत्या, घटना का पूरा सीसीटीवी वीडियो आया सामने

फिलीपींस की राजधानी मनीला में 25 मार्च को एक अज्ञात हमलावर ने पंजाब के एक सिख जोड़े की गोली मारकर हत्या कर दी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सुखविंदर सिंह (41) और उनकी पत्नी किरणदीप कौर (33) को उनके घर में गोली मार दी गई थी। दोनों पंजाब के जालंधर जिले के गोराया के रहने वाले थे। शनिवार की रात सुखविंदर के काम से लौटने के तुरंत बाद सीसीटीवी फुटेज में एक अज्ञात व्यक्ति मृतक दंपति के घर में घुसता दिखा। किरणदीप पर दो गोलियां चलाने से पहले हमलावर को सुखविंदर पर कई गोलियां चलाते देखा जा सकता है। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। सुखविंदर 19 साल पहले फिलीपींस में बस गए थे और फाइनेंस का बिजनेस चलाते थे। उसने तीन साल पहले किरणदीप से शादी की थी और वह पांच महीने पहले मनीला चली गई थी। सुखविंदर के बड़े भाई लखवीर सिंह ने संवाददाताओं से कहा, %हम रविवार से ही उन्हें बार-बार फोन कर रहे थे, लेकिन वह कोई जवाब नहीं दे रहे थे. मैंने अपने चाचा को उनके घर आने के लिए कहा, जहां उन्होंने मेरे भाई और उनकी पत्नी को खून से लथपथ पाया।

अमेरिकी कांग्रेस के सदस्यों के साथ कार्यक्रमों में हिस्सा लेकर तिब्बत के लिए समर्थन जुटाएंगे रिचर्ड गेयर

वाशिंगटन । तिब्बत के लिए समर्थन जुटाने के लिए अमेरिकी कांग्रेस के सदस्यों के साथ रिचर्ड गेयर वाशिंगटन में दो कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। रिचर्ड गेयर इंटरनेशनल कैंपेन फॉर तिब्बत (आईसीटी) के अध्यक्ष और हॉलीवुड स्टार हैं। कांग्रेस के चार सदस्यों ने मंगलवार को तिब्बत-चीन संघर्ष अधिनियम के प्रस्ताव को पेश किया। वहां गेयर की यात्रा आईसीटी द्वारा समन्वित तिब्बत लॉबी डे के आसपास की घटनाओं का हिस्सा है। गेयर केंद्रीय तिब्बती प्रशासन के सिक्योंग (अध्यक्ष) पेन्पा त्सेरिंग के साथ कार्यक्रम में गवाही देंगे, जो निर्वासित तिब्बतियों के लिए लोकतांत्रिक शासन प्रदान करता है।अन्य गवाह तिब्बत एक्शन इंस्टीट्यूट के ल्हादोन टेथोंग और तेनज़िन दोर्जी हैं। हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी के अध्यक्ष माइकल मैककॉल, आर-टेक्सस, हाउस कमेटी ऑन रूल्स रैंकिंग के सदस्य जिम मैकगवर्न, डी-मास, सीनेटर जेफ मर्कले, डी-ओरे और सीनेटर टॉड यंग, आर-इंड, तिब्बतियों की दुर्दशा को उजागर करने के लिए गेयर के साथ एक द्विदलीय प्रेस सम्मेलन की मेजबानी करेंगे। सांसद अपने द्विदलीय, द्विसदनीय कानून, तिब्बत-चीन संघर्ष अधिनियम के एक प्रस्ताव पर चर्चा करेंगे, ताकि तिब्बती और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के नेताओं को बातचीत के माध्यम से अपने मतभेदों को शांतिपूर्ण ढंग से हल करने के अपने दीर्घकालिक लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके।

राहुल गांधी के मामले को करीबी से देख रहा अमेरिका

वाशिंगटन। सूरत की एक अदालत मानहानि के मामले में कांग्रेस नेता और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को 2 साल की सजा होने के बाद उनकी लोकसभा की सदस्यता खत्म हो गई। इसके बारे में अमेरिका ने कहा है कि वह भारतीय अदालतों में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के मामले पर लगातार अपनी नजर रख हुए है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रधान उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने कहा कि अमेरिका अभिव्यक्ति की आजादी सहित लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए एक साझा प्रतिबद्धता पर भारत सरकार के साथ जुड़ा हुआ है। उन्होंने राहुल गांधी के संसद से निष्कासन के बारे में एक सवाल के जबाव में कहा कि कानून का शासन और न्यायिक स्वतंत्रता के लिए सम्मान किसी भी लोकतंत्र की आधारशिला है।

पटेल ने कहा कि 'हम भारतीय अदालतों में राहुल गांधी के मामले को देख रहे हैं। यह पूछने पर कि क्या अमेरिका भारत या राहुल गांधी के साथ बातचीत कर रहा है, तब उन्होंने कहा कि 'मेरे पास बताने के लिए कुछ खास जानकारी नहीं हैज लेकिन जैसा कि आप जानते हैं कि यह सामान्य बात है। जहां भी हमारे द्विपक्षीय संबंध हैं, हमारे लिए किसी भी देश में विपक्षी दलों के सदस्यों के साथ जुड़ना सामान्य बात है।

ताइपे में संसद से निकलती हुई चेक गणराज्य की स्पीकर मार्केला पैकारोवा।

उमराह के लिए मक्का जा रहे थे तीर्थयात्री, पुल से टकराकर बस में लगी भीषण आग, 20 की मौत

सऊदी राज्य मीडिया गल्फ न्यूज ने बताया कि सोमवार को उमराह तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस के पुल से टकरा जाने के बाद आग लगने से कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई और 24 से अधिक घायल हो गए। हादसा असीर प्रांत के अकबत शार में शाम करीब चार बजे हुआ। बस खामिस मुशायत से निकली थी और आभा क्षेत्र की ओर जा रही थी तभी हादसा हुआ। बताया जा रहा है कि टक्कर बस में ब्रेक की समस्या के कारण हुई। गल्फ न्यूज ने बताया कि बस एक पुल के अंत में बैरियर से टकरा गई, फिर पलट गई और उसमें आग लग गई। अल इखबरिया टीवी ने बताया, 'प्रारंभिक सूचना के अनुसार, जो अब हमें प्राप्त हुई है, इस दुर्घटना में मरने वालों की संख्या 20 तक पहुंच गई है और घायलों की कुल संख्या लगभग 29 थी।' टीवी चैनल ने कहा कि पीड़ित अलग-अलग देशों से ताल्लुक रखते हैं लेकिन उन्होंने अपनी राष्ट्रीयता का जिक्र नहीं किया।

जी 20 बैठक में खालिस्तान मुद्दे के अंतरराष्ट्रीयकरण की धमकी

(एजेंसी)। प्रतिबंधित संगठन 'सिख फॉर जस्टिस' ने मंगलवार से उत्तराखंड के रामनगर में होने वाली जी20 की बैठक के दौरान खालिस्तान मुद्दे का अंतरराष्ट्रीयकरण करने की धमकी दी है। रविवार देर रात उत्तराखंड के कई मोबाइल फोन नंबरों पर संगठन सिख फॉर जस्टिस के मुखिया गुरपतवंत सिंह पन्नू के रिकार्ड किए हुए ?संदेशों वाली कॉल आई जिसमें कहा गया कि संगठन जी20 बैठक के दौरान हवाई अडडे, रेलवे स्टेशन तथा अन्य जगहों पर अपने झंडे लगाकर खालिस्तान मुद्दे का अंतरराष्ट्रीयकरण करेगा। संदेशों में यह भी कहा गया कि रामनगर भारत का हिस्सा नहीं है और पंजाब को आजादी दिलाने के बाद रामनगर खालिस्तान का भाग बना लिया जाएगा।

ऐसे फोन कॉल सैकड़ों नंबरों पर किए गए जिनमें कुछ पत्रकार भी शामिल हैं। इस बीच, राज्य के पुलिस उप महानिरीक्षक (एसटीएफ) सेंथिल अबूदई कृष्णराज एस ने बताया कि जिन नंबरों से ऐसे रिकार्ड किए हुए फोन कॉल आ रहे हैं, उनका पता लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विशेष कार्यबल (एसटीएफ) मामले की जांच कर रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि रामनगर में होने वाली जी20 बैठक से प्रचार पाने की कोशिश की जा रही है।

हांलांकि, उन्होंने कहा, ''उत्तराखंड पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद है और अलगाववादियों का मकसद हम पूरा नहीं होने देंगे। जी20 बैठक के लिए सुरक्षा का पूरा इंतजाम है। हमारे वरिष्ठ अधिकारी वहां नजर रखे हुए हैं।'' रामनगर में मंगलवार से जी20 देशों के मुख्य विज्ञान सलाहकारों की तीन दिवसीय गोलमेज बैठक हो रही है। उधर, खालिस्तान समर्थक और वारिस पंजाब दे संगठन के फरार प्रमुख अमृतपाल सिंह और उसके साथियों की तलाश को लेकर राज्य के ऊधमसिंहनगर जिले में भी पुलिस अलर्ट पर है।

पंजाब पुलिस और खुफ़िया एजेंसियों से मिली जानकारी के बाद पुलिस विशेषकर ऊधमसिंहनगर जिले की नेपाल से लगी सीमा और उत्तर-प्रदेश से लगे रामपुर, पीलीभीत और बरेली जिले की सीमाओं पर सघन जांच अभियान चला रही है। हर आने-जाने वाले सरकारी और निजी वाहनों की जांच की जा रही है तथा धार्मिक स्थलों पर भी निगाह रखी जा रही है। इस मामले में नगर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार कत्याल ने कहा कि अंतराष्ट्रीय सीमा से लगे धार्मिक स्थलों एवं वाहनों की तलाशी का अभियान चलाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि नेपाल सीमा पर भी आने-जाने वालों पर विशेष निगाह रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि अमृतपाल की तलाश में पुलिस सत्यापन अभियान भी चला रही है। इसके अलावा, उसके और उसके साथियों के पोस्टर भी जारी करके जगह-जगह चस्पा कर दिए गए हैं। सूत्रों के अनुसार पंजाब पुलिस को आशंका है कि अमृतपाल यहां शरण लेकर नेपाल या किसी दूसरे देश में भाग सकता है और इसी के मद्देनजर उसने उत्तराखंड पुलिस को अलर्ट किया है। इस बीच, आधिकारिक सूत्रों के अनुसार पिथौरागढ़ में भी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और राज्य पुलिस द्वारा भारत-नेपाल सीमा पर भी अमृतपाल और उसके सहयोगियों की गतिविधियों को लेकर कड़ी निगाह रखी जा रही है।

इजरायल में हिंसक विरोध-प्रदर्शन के आगे झुके पीएम बेंजामिन

- न्यायिक सुधार पर पीछे खींचे कदम

जेरुसलेम (एजेंसी) । इजरायल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने देशभर में चल रहे आमजनों के हिंसक विरोध-प्रदर्शन और हड़ताल के आगे घुटने टेकते हुए अपने न्यायिक सुधार योजना को लागू करने पर कदम पीछे खींच लिए हैं। उन्होंने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि वह अपने राजनीतिक विरोधियों को इस विवादित सुधार योजना पर समझौता करने के लिए समय देना चाहते हैं। नेतन्याहू ने न्यायिक सुधार के खिलाफ हो रहे दो दिनों के बड़े विरोध-प्रदर्शन के बाद यह घोषणा की है। इजरायल में लोग न्यायिक सुधार का बड़े पैमाने पर विरोध कर रहे थे। आमजनों की हड़ताल ने पूरे इजरायल को ठप कर दिया था। बता दें कि गुरुवार को जैसे ही न्यायिक सुधार बिल इजरायली संसद से पास हुआ, नेतन्याहू के रक्षा मंत्री ने इसका विरोध किया और प्रधानमंत्री से इसे टालने का अनुरोध किया लेकिन पीएम नेतन्याहू ने रक्षा मंत्री को पद से बर्खास्त कर दिया। इसके बाद पहले से ही आंदोलन कर रहे आमजन उग्र हो गए। उग्र प्रदर्शनकारी यरूशलम में पीएम नेतन्याहू के आवास के बाहर तक जा पहुंचे थे। उन्हें हटाने के लिए पुलिस को वाटर कैनन का भी इस्तेमाल करना पड़ा था। विरोध-प्रदर्शनों को देखते हुए चिंतित राष्ट्रपति इसाक हर्जोग ने पीएम नेतन्याहू से न्यायिक सुधार योजना की प्रक्रिया को तत्काल रोकने की अपील की थी। इसके बाद पीएम ने ऐलान किया। नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने वास्तविक संवाद को अवसर देने के लिए ही विवादास्पद कानून पर फिलहाल आगे नहीं बढ़ने का फैसला किया है। पीएम नेतन्याहू के आलोचक इसे न्यायपालिका को सरकार और संसद के अधीन लाने की कोशिश बता रहे हैं। आलोचकों का यह भी मानना है कि ये कानून नेतन्याहू के लिए बनाए जा रहे थे ताकि उन्हें भ्रष्टाचार के आरोपों से बचाया जा सके। कानूनी बदलावों को लेकर इजरायल दो धड़ों में बंट चुका था।

प्रतिबंधों के बाद भी साइबर अटैक कर पैसे की उगाही करता ही सनकी तानाशाह

-इसी पैसों से सैन्य ताकत में करता हैं इजाफा

लंदन (एजेंसी)। उत्तर कोरिया पर 2 हजार से ज्यादा पाबंदियां लगी हुई हैं। इसके पहले रूस, ईरान और सीरिया का नंबर आता है। इतनी बंदिशों में जीने के बाद भी उ.कोरिया अपनी सैन्य ताकत दिखाता रहा। यहां तक कि वहां के तानाशाह किम जोंग उन अक्सर पश्चिमी देशों को धमकाते भी रहे। ये ताकत हवा-हवाई नहीं, बल्कि इसके पीछे रूस और चीन जैसे बड़े देशों का हाथ है। साल 2020 में नॉर्थ कोरिया का डेटा जारी किया। इसके मुताबिक देश की जीडीपी लगभग 18 बिलियन डॉलर थी। अपने पड़ोसी देश दक्षिण कोरिया की तुलना में ये कम है, लेकिन ग्रोथ रेट लगातार दिख रही है। खासकर व्यापार के लिए उसपर जितने प्रतिबंध हैं, यह देखकर ये जीडीपी कम नहीं।

ये देश खुद को सैन्य तौर पर भी मजबूत कर रहा है। इसमें एक के बाद एक मिसाइल परीक्षण भी शामिल है। बीते साल फरवरी में आई यूएन की रिपोर्ट में नॉर्थ कोरिया की ओर से परमाणु कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने का शक जताया गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि नॉर्थ कोरिया मिसाइलों को बनाने, तेजी से उनकी तैनाती, समुद्र के रास्ते उन्हें लाने-ले जाने और मिसाइल ताकत में तेजी से बढ़ोत्तरी करने की दिशा में है।

यूएन की रिपोर्ट कहती है कि अपने परमाणु कार्यक्रमों और मिसाइलों के लिए पैसे जुटाने के लिए क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज पर साइबर अटैक कर पैसे की उगाही इस देश के लिए आय का प्रमुख स्रोत है। ये रिपोर्ट यूएनएससी प्रतिबंध कमेटी के सामने इसी हफ्ते पेश की गई। और इसमें नॉर्थ कोरिया के सीक्रेट वीपन प्रोग्राम के बारे में कई दावे किए गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि क्रिप्टो करेंसी एक्सचेंज और वित्तीय संस्थाओं पर साइबर अटैक से पैसे जुटाना नॉर्थ कोरिया के लिए आय का सबसे बड़ा स्रोत है। साइबर अटैक से साल 2020 में और साल 2021 के मध्य तक नॉर्थ कोरियन साइबरअटैकर्स ने नॉर्थ अमेरिका, यूरोप और एशिया के तीन क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज से ही 50 मिलियन डॉलर से अधिक की रकम चुरा ली।

अमृतपाल लापता, नेपाल में भी की जा रही तलाश

-नेपाल से तीसरे देश भाग सकता है अमृतपाल, अलर्ट जारी, निगरानी में रखा

काठमांडू (एजेंसी)। खालिस्तानी समर्थक अमृतपाल सिंह पिछले कई दिनों से फरार चल रहा है। पंजाब पुलिस और केंद्रीय एजेंसियां उसकी तलाश कर रही है, लेकिन वो अभी तक हाथ नहीं आ सका है। अमृतपाल को लेकर नेपाल में अलर्ट जारी हुआ है। भारत के अलावा नेपाल में भी उसकी तलाश की जा रही है। नेपाल सरकार के अप्रवास विभाग ने अमृतपाल को लेकर अलर्ट जारी किया है। मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार नेपाल में खासतौर पर अपने एयरपोर्ट पर स्थित दफ्तरों में अलर्ट जारी किया है। आशंका है कि अमृतपाल अपने पासपोर्ट या फर्जी पासपोर्ट के जरिए किसी तीसरे देश में भाग सकता है। डीजी झलकराम अधिकारी ने बताया कि भारतीय दूतावास ने उनके कार्यालय को पत्र लिखकर अमृतपाल सिंह को किसी तीसरे देश में भागने से रोकने में मदद मांगी थी।

उल्लेखनीय है कि अमृतपाल के नेपाल में छिपे होने की आशंका है। इसके चलते काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास ने नेपाल सरकार को एक चिट्ठी लिखी है। चिट्ठी में सरकारी एजेंसियों से अनुरोध किया है कि यदि अमृतपाल सिंह नेपाल से भागने की कोशिश करता है तो उसे गिरफ्तार किया जाए। चिट्ठी में कहा गया कि अगर अमृतपाल भारतीय पासपोर्ट या किसी अन्य फर्जी पासपोर्ट का उपयोग करके नेपाल से भागने का प्रयास करता है तो उसे गिरफ्तार कर लिया जाए। भारतीय दूतावास ने अमृतपाल की फोटो से लेकर सभी जानकारी नेपाली सरकार को दी है। राम अधिकारी ने कहा कि हवाई अड्डे से विदेश जाने वाले सभी यात्रियों की जांच की जाएगी, जिससे अमृतपाल भाग न सके। उन्होंने बताया कि भारतीय दूतावास के अनुरोध पर हमने अमृतपाल को वॉच लिस्ट में शामिल किया है।

अधिकारी ने बताया कि सबसे पहले भारतीय दूतावास ने अमृतपाल को वॉच लिस्ट में शामिल करने का अनुरोध किया था। दूतावास ने विभाग के साथ तस्वीरों के साथ विवरण साझा किया था। उन्होंने कहा कि भारतीय दूतावास ने चेतावनी दी है कि अमृतपाल नेपाल में प्रवेश करने और वहां से भागने के लिए फर्जी पासपोर्ट का इस्तेमाल कर सकता है। अमृतपाल के ठिकाने को लेकर अभी कोई जानकारी नहीं है। हमने सभी को सूचित कर दिया है।

गुम हो गई 653 गोलियां, ?किम जोंग ने पूरे शहर में लगाया लॉकडाउन

प्योंगयॉग । उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन अक्सर अपनी हरकतों से चर्चा में रहते हैं। इस बार खबर है कि जोंग उन ने कथित तौर पर 200,000 से अधिक लोगों की आबादी वाले उत्तर कोरियाई शहर हेसन को तब तक लॉकडाउन में रखने का आदेश दिया है जब तक कि गुम हुए 653 गोलियां नहीं मिल जातीं। बता दें कि सैनिकों के 653 बुलेट गुम हो गए थे, इसके बाद तानाशाह ने ये फरमान सुनाया है। बताया गया है कि एक सैन्य वापसी के दौरान ये गोलियां गायब पाई गईं, जिसके बाद किम जोंग-उन ने अधिकारियों को पूरे शहर में गोलियों की खोज करने के लिए कहा और आदेश दिया कि पूरे शहर में तब तक लॉकडाउन रहेगा, जब तक कि बुलेट नहीं मिल जाते। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि असॉल्ट राइफल के बुलेट 7 मार्च को गायब हो गए थे। सैनिकों की वापसी 25 फरवरी से 10 मार्च के बीच पूरी तरह से हो गई थी लेकिन निकासी प्रक्रिया के दौरान गोलियों के गुम होने के कारण व्यापक जांच चल रही है। सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वापसी के दौरान जब सैनिकों को एहसास हुआ कि गोलियां खो चुकी हैं, तो उन्होंने इसकी सूचना देने के बजाय खुद खोजने की कोशिश की। हालांकि, जब सैनिकों को एहसास हुआ कि उन्हें बुलेट नहीं मिल रहे हैं, तो उन्होंने अधिकारियों को इस बारे में सूचित किया, जिसके बाद शहर को बंद कर दिया गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले हफ्ते कारखानों, खेतों, सामाजिक समूहों और पड़ोस की निगरानी इकाइयों को बुलेट खोजने से संबंधित जांच प्रक्रिया में सक्रिय रूप से सहयोग करने के लिए आदेश जारी किए गए हैं।

भारत के इलाकों पर कब्जा करना चाहता था नेपाल, अब हुआ ये हाल, छोड़ दिया काला पानी पर अपना दावा !

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल में कुछ ही महीनों पहले चीन समर्थक सरकार आई है। इस सरकार ने आते ही भारत के खिलाफ काम शुरू कर दिया। चीन ने पता नहीं ऐसी कौन सी घुट्टी नेपाल को पिलाई की नई सरकार ने आते ही भारत को अपनी ताकत और अकड़ दिखानी शुरू कर दी। लेकिन नेपाल की वामपंथी सरकार की अक्ल और सारी ताकत भी निकल गई। दरअसल, कुछ ऐसा हुआ है जिससे नेपाल की अक्ल ठिकाने आने के संकेत मिलने लगे हैं। आपको याद होगा कि 2020 में नेपाल ने भारत के कुल इलाकों पर दावा करना शुरू कर दिया था। ये इलाके भारत के उत्तराखंड राज्य में हैं और नेपाल की सीमा से लगते हैं। लेकिन अब अचानक नेपाल ने अपने पैर पीछे खींच लिए हैं। नेपाल की हाल ही में जारी अंतिम जनगणना रिपोर्ट में कालापानी क्षेत्र का डेटा नहीं है। नेपाल का यह कदम महत्वपूर्ण है क्योंकि उसने जनवरी 2022 में जारी प्रारंभिक जनगणना रिपोर्ट में इसे शामिल किया था। डेटा कालापानी के कुटी, गुंजी और नबी गांवों से संबंधित है, जो भारतीय क्षेत्र में स्थित है। लेकिन नेपाल अपना होने का दावा करता रहा है। शुक्रवार को जारी फाइनल रिपोर्ट में 3 कालापानी गांवों का डेटा गायब है। सीमा पार के सूत्रों ने कहा कि प्रारंभिक रिपोर्ट 2011 की भारतीय जनगणना के आंकड़ों से लिए गए अनुमान पर आधारित थी, लेकिन वास्तविक गिनती नहीं की जा सकी क्योंकि जनगणना अधिकारी भारतीय क्षेत्र में स्थित इन गांवों में शारीरिक रूप से नहीं जा सके। नेपाल के उप मुख्य सांख्यिकी अधिकारी नबीन श्रेष्ठ ने नेपाली मीडिया आउटलेट्स में कहा कि भारतीय अधिकारियों के असहयोग के कारण हम इन क्षेत्रों तक नहीं पहुंच सके। लेकिन हमने आकलन किया है कि इन क्षेत्रों में लोगों की कुल संख्या है 500 से कम। हमने अंतिम रिपोर्ट में इस क्षेत्र की जनसंख्या को शामिल नहीं किया क्योंकि सत्यापन कठिन था। वहीं अपनी जनगणना में कालापानी गांवों के डेटा को शामिल करने के नेपाल के प्रयासों पर प्रतिक्रिया देते हुए, कुटी के निवासी कुंवर सिंह ने टीओआई को बताया कि कुटी, गुंजी और नबी भारतीय गांव हैं और रहेंगे। नेपाली जनगणना का हमसे क्या लेना-देना है?

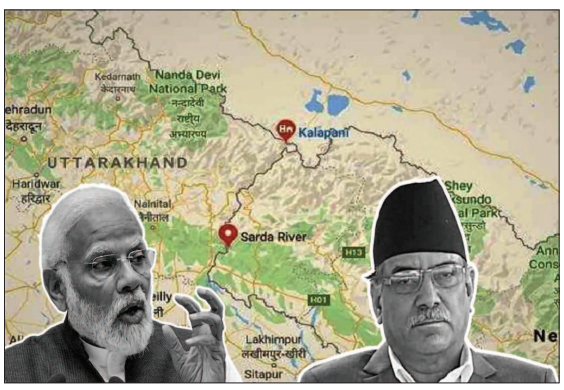

संपादकीय

संसार का क्या महत्व है ?

आत्मा के भव भ्रमण का संसार है । अगर हमने मनुष्य भव प्राप्त किया है और इसका अच्छे से अच्छे में नियोजित किया है तो हम कम से कम भव में मोक्ष को प्राप्त कर सकते है । जीवन एक बड़ी फैक्ट्री है जिसका मालिक स्वयं इंसान हैं । अत: यह इंसान पर निर्भर करता है कि वह अपना जीवन कैसे आदर्श बनाएं। हम अपना जीवन सभी जीते हैं पर कैसे जिएं इस कलात्मक तकनीक को जानने वाले बिरले व्यक्ति ही होते हैं । सरस, सुंदर, शान्त, शालीन, शिष्ट और सिलसिलेवार पवित्र जीवन जिया जाए यह महत्वपूर्ण हैं । जब तक हम जिएं जिंदादिली के साथ जिएं। ज्योतिर्मय अंगारे की तरह जिएं न कि निस्तेज राख की तरह । मौत निश्चित है और कोई नहीं जानता कि कहां कब और कैसे आएगी, हम अकेले आए हैं । साथ में कुछ नहीं लाए हैं वैसे ही जब हम जाते हैं तो अच्छे या बुरे कर्म के अलावा कुछ साथ नहीं ले जा सकते हैं। इसीलिए हम अपने जीवन काल में कुछ ऐसा अच्छा कार्य करके जाए कि सब हमें याद करें । ना हम कुछ साथ में लेकर आते हैं व ना ही कुछ साथ में ले जाते हैं ऐसी स्थिति में तो हम व्यर्थ ही में अपनेपन के गीतों को गुनगुनाते हैं ।

अपने जीवन के हर पल को सार्थक बनाना ही तो इस जीवन का सार है । कुछ करके जीता नहीं ओरों का मन तो फिर हमारा यहां आना ही बेकार है। इतिहास गवाह है- बाहुबली को भी नही मिला था केवलज्ञान । जब तक था उसमें अभिमान विनय ही है एकमात्र हथियार । जो अभिमान पर करता वार ज्ञान के साथ विनय ही है स्वर्णिम उपहार । तभी खुल सकते सफलता के द्वार । संसार से भी हो सकते है हम पार । मनुष्य के अनेक गुणों में सज्जनता का अपना एक महत्व है प्रायः हम देखते हैं कि हमारे साथ जो व्यक्ति अच्छा व्यवहार करते हैं हम उनके साथ अच्छा और बुरा व्यवहार करने वालों के साथ बुरा व्यवहार करते हैं । परंतु सज्जन व्यक्ति सभी के साथ एक जैसा अच्छा व्यवहार करते हैं। सज्जन व्यक्तियों में कोई लाग-लपेट या दुराव-छिपाव नहीं होता है । संसार में लोगों के भिन्न-भिन्न स्वभाव होते हैं कुछ के स्वभाव जटिल और कुछ के सरल होते हैं। मन के मनन के अनुसार कर्म करने वालों के स्वभाव में सरलता होती है । सरल स्वभाव वाले व्यक्ति में मृदुलता और सौहार्द होता है इनमें किसी के प्रति कोई राग-द्वेष नहीं होता ये लोग जहां भी जाते हैं अपना अच्छा प्रभाव छोड़ते हैं । अत: सज्जन व्यक्ति मन,वचन और कर्म से एक ही विचार से कार्य के प्रति सजग रहते हैं। उसकी नींव सज्जनता पर ही टिकी होती है। हम अपनी शालीनता न खोएँ ।

कदाचित् किसी ने हमारा नुकसान किया । हमारे लाभ में कही बाधा पहुँचाई, निंदा की, विरुद्ध कुछ कहा, अपमान किया,कहना नही माना व इच्छा के विरुद्ध आचरण बस ऐसे कारणों से हमें आवेश आ जाता है और हम अविचारणीय विचार करते है । हम अभाषणीय बोलते है अकरणीय करते हैं और अपनी शालीनता खोते हैं, क्यों ???? विकसित होते हैं. व्यवहार चाहे वाणीगत हो या कर्मगत अथवा चेष्टागत सभी में संयम-सदाचार-सौम्यता शालीनता-सज्जनता की छाप होनी चाहिए । स्वयं के जीवन को अनुशासित ढंग से जीना वही औरों के मान-सम्मान व शिष्टाचार का ध्यान रखना शालीनता हैं । शक्ल से खूबसूरत लोग दिल से भी खूबसूरत हों ऐसा जरूरी नहीं है । आत्मा की सुंदरता पाने के लिए तो व्यक्ति में गुणों का होना जरूरी है दिखने में बुरा होते हुए भी अगर कोई गुणवान और प्रतिभावान हो तो उसे कामयाब होने से कोई नहीं रोक सकता है क्योंकि जीवन की इस लंबी दौड़ में साँझ की तरह ढलते रूप की नहीं बल्कि सूरज की तरह अँधेरे में उजालों को रोशन करने वाले गुणों की कद्र होती है ऐसे कई उदाहरण हैं जो बाहरी खूबसूरती के पैमाने को व भिन्न - भिन्न परिस्थितियों के अनुसार बदलते रहते हैं । अत: दुनिया में भीतर की खूबसूरती का एक ही पैमाना है और वह है आत्मा से पवित्र और सुंदर होना । परिवार वाले स्तब्ध खड़े थे ,जीवित अवस्था में जिसका सौंदर्य अद्भुत था। जिसे अपने सौंदर्य पर नाज था, अहंकार था। तरह-तरह के प्रसाधानों से अपने शरीर को सजाता था। आज शांत हो कर कहीं खो गया। चिन्तन चला कि जिस सौंदर्य पर नाज (था) है वह शरीर अशुचि पदार्थों तो से भरा है। इस शरीर को एक न एक दिन छोड़ना ही पड़ेगा। जन्म,मरण,जरा ,रोग ,शोक, दुख इस संसार का नियम है ,इसलिए इस असार संसार में रहकर कैसे सुखी रह सकते हैं। हमें मान माया लोभ को छोड़ना ही होगा। मनुष्य का जन्म इसीलिए हुआ है कि वह ऐसे अच्छे कर्म करें कि दुनिया याद रखें। और वह कर्मों की निर्जरा त्याग तपस्या के द्वारा जरूर करें क्योंकि यही उसके साथ जाने वाला है।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशीफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी के अवसर बढ़ेंगे। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। व्यावसायिक मामलों में लाभ मिलेगा।

वृषभ आर्थिक मामलों में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मांगलिक उत्सव में भाग लेंगे। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। किसी कार्य के सम्पन्न होने से आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। संतान या शिक्षा के कारण चिंतित हो सकते हैं। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।

कर्क आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। विभागीय समस्या आ सकती है।

सिंह पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव हो सकता है।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मांगलिक उत्सव में हिस्सेदारी होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। संबंधित अधिकारी के कृपा पात्र होंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नेत्र विकार की संभावना है। मन अशान्त रहेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई पारिवारिक व व्यावसायिक समस्या आ सकती है।

कुम्भ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अज्ञात भय से ग्रसित रहेंगे। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुखद परिवर्तन की दिशा में व्यक्ति विशेष का सहयोग मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रक्तचाप में वृद्धि होगी।

सवाल जनतंत्र और देश की गरिमा का

विश्वनाथ सचदेव

बच्चा जब कोई ग़लती करता है तो मां-बाप अक्सर बच्चे से माफी मंगवाते हुए दिखते हैं। पता नहीं बच्चा माफी मांगने का मतलब समझता है या नहीं, पर अक्सर वह 'सॉरी' बोलकर 'विवाद' खत्म कर देता है। न मां-बाप बच्चे को माफी मांगने का अर्थ समझाते हैं और न ही बच्चा ऐसी कोई आवश्यकता समझता है कि वह माफी मांगने की इस क्रिया का मतलब समझे। मां-बाप मान लेते हैं कि 'सॉरी' कहकर बच्चा सुधर गया और अक्सर बच्चा मान लेता है कि चलो बला टली! लेकिन हमारी संसद में 'माफी' वाली बला आसानी से टलती दिखाई नहीं दे रही। महत्वपूर्ण बजट-सत्र की दूसरी पारी, क्रिकेट की भाषा में कहें तो, धुलती नज़र आ रही है। पर हक़ीकत यह है कि हमारी राजनीति की चादर धुलने के बजाय और मैली होती जा रही है। रोज़ हमारे सांसद संसद के सदनों में जाते हैं, दोनों पक्ष रोज़ शोर-शराबा मचाते हैं और फिर पीठासीन अधिकारी सदन की कार्रवाही स्थगित कर देते हैं। सत्तारूढ़ पक्ष इस ज़िद पर अड़ा हुआ है कि कांग्रेस के नेता राहुल गांधी लंदन में की गयी अपनी 'ग़लती' के लिए संसद में क्षमा मांगें और विपक्ष का कहना है कि जब ग़लती हुई ही नहीं तो 'सॉरी' किस बात की। स्पष्ट है, यदि दोनों पक्ष अपनी बात पर अड़े रहते हैं तो बात बनने का कोई आधार नहीं बनता और यदि दोनों में से कोई एक पक्ष झुकता है तो इसे राजनीतिक जीत-हार की तरह भुनाने की कोशिश होगी। और सच बात यह है कि राजनीति के इस दांव-पेच में नुकसान जनतंत्र का हो रहा है। जनतांत्रिक व्यवस्था में विवाद सुलझाने का तरीका संवाद होता है, पर यदि संवाद की सारी प्रक्रिया नारेबाज़ी का शिकार बन कर रह जाये तो विवाद सुलझेगा कैसे? मान लीजिए सत्तारूढ़ पक्ष अपनी मांग से पीछे नहीं हटता और इस बात पर अड़ा रहता है कि राहुल गांधी माफी मांगें, और विपक्ष जवाब में अडानी कांड में जेपीसी नियुक्त करने की धुन अलापता रहता है तो क्या होगा? होगा यह कि सदन में बिना किसी विचार-विमर्श के, सत्तारूढ़ पक्ष शोर-शराबे के बीच अपने विधेयक पारित करा लेगा, भारी बहुमत के चलते संसद में बजट भी बिना किसी बहस के पारित हो जायेगा और संसद की कार्यवाही अगले सत्र के लिए स्थगित कर दी जायेगी! सवाल यह उठता है कि राजनीति के इस घटिया खेल में जीत किसकी हुई, और हारा कौन? जीत किसी की भी हो, इस तरह की घटिया राजनीति में हारता जनतंत्र ही है। 'माफी मांगो' और 'जेपीसी नियुक्त करो' के इस शोर में अनसुनी विवेक की आवाज़ की हो रही है। जिस 'अपराध' के लिए कांग्रेस के नेता राहुल गांधी से माफी मांगने की मांग हो रही है, वह यदि अपराध है तो यह अपराध तो वे पहले भी करते रहे हैं। संसद में, और संसद के बाहर, यह बात राहुल गांधी समेत अन्य कई लोग भी बार-बार कहते रहे हैं कि देश में जनतांत्रिक व्यवस्था चरमरा रही है। सत्तारूढ़ पक्ष पर बार-बार यह आरोप लगता रहा है कि वह भारी-भरकम बहुमत का ग़लत लाभ उठा रहा है। सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय जैसी स्वायत्त एजेंसियों के दुरुपयोग के आरोप भी अक्सर लगते रहे हैं। नया यदि कुछ हुआ है तो सिर्फ यह कि इस बार विपक्ष के नेता ने यही सब बातें लंदन में जाकर कह दी हैं। लेकिन सवाल उठता है कि देश के बाहर जाकर यह सब कहना अधिक गंभीर अपराध कैसे हो गया? संचार-क्रांति के इस युग में, जब कोई बात पलभर में विश्व-व्यापी हो जाती है, यह कैसे मान लिया गया कि लंदन वालों को यह पता नहीं होगा कि भारत में विपक्ष सत्तारूढ़ दल पर किस तरह के आरोप लगा रहा है? और सवाल यह भी पूछा जाना चाहिए कि बजाय इसके कि आरोप की जांच हो, उस पर कोई कार्रवाई हो, आरोप लगना ही ऐसा अपराध कैसे हो गया कि जिसके लिए क्षमा मांगी जाये? या जिसके कारण संसद की कार्यवाही ठप्प हो जाए? क्षमा मांगना छोटी बात नहीं है, बहुत मुश्किल होता है क्षमा मांगना, और उतना ही मुश्किल होता है दिल से क्षमा करना भी। 'सॉरी' कह देना कुछ माने नहीं रखता, यह अनुभव करना माने रखता है कि मुझसे कोई ग़लती, कोई अपराध हो गया है। इसी तरह किसी की माफी को स्वीकारना भी आसान काम नहीं है। माफ करने का मतलब होता है, बीती को बिसार देना, और बीती को बिसारने का मतलब है किसी की ग़लतियों को भूलकर नये सिरे से रिश्तों की शुरुआत करना। क्या हमारा सत्तारूढ़ दल ऐसी किसी शुरुआत के लिए तैयार है? हमारी राजनीति में माफी मांगने, और माफ करने के नाटक पहले भी होते रहे हैं।

कोई अर्थ नहीं है ऐसे किसी नाटक का यदि उद्देश्य मात्र राजनीतिक लाभ उठाना ही हो। राजनीति के इस दांव-पेच में घायल हमारा जनतंत्र हो रहा है। देश इस बात से बदनाम नहीं होता कि किसी नेता ने विदेश में जाकर भारत में जनतंत्र की भावना के साथ खिलवाड़ की बात कह दी है, देश बदनाम इस बात से हो रहा है कि देश में जनतंत्र की भावना के साथ खिलवाड़ हो रहा है। सात दिन तक संसद के दोनों सदनों में सिर्फ शोर-शराबा हो और कार्यवाही के नाम पर सदन के स्थगन की घोषणा मात्र हो, इससे बदनाम होता है जनतंत्र। देश बदनाम इस बात से भी हो रहा है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ सारी कार्रवाई विपक्ष के नेताओं पर ही क्यों हो रही है और जनतंत्र इसलिए बदनाम हो रहा है कि कोई आरोपी नेता दल-बदल कर सत्तारूढ़ पक्ष में आ जाता है तो उसके खिलाफ लगाये गये आरोप चुपचाप ठंडे बस्ते में क्यों चले जाते हैं? रहा सवाल माफी मांगने का तो 'सॉरी' कह देना ही पर्याप्त नहीं होता, अपनी ग़लती को स्वीकारना होता है और संकल्प करना होता है कि मैं यह ग़लती फिर नहीं करूंगा। छोटे बच्चे से जब 'सॉरी' कहलवाया जाता है तो वह अक्सर यंत्रवत् बोल देता है शब्द, अनुभव नहीं करता वह कोई शब्द बोल देने के अर्थ को। हमारे राजनेताओं को अपने अपराधों को समझना होगा। साथ ही, क्षमा हमारी राजनीति के सारे अपराधियों को मांगनी होगी, और देश की जनता से मांगी जानी चाहिए यह क्षमा। जनतंत्र की भावनाओं के साथ खिलवाड़ करने वाले हमारे राजनेता इस देश की जनता के प्रति अपराधी हैं। सिर्फ राजनीतिक नफे-नुकसान की दृष्टि से की जाने वाली राजनीति अपने आप में एक अपराध है।

आज हमारी संसद में जो कुछ हो रहा है, वह एक घटिया राजनीति का उदाहरण ही पेश कर रहा है। संसद की कार्यवाही विवेकपूर्ण ढंग से चले, यह दायित्व हर सांसद का है। भारी बहुमत वाले सत्तारूढ़ पक्ष का दायित्व तो और बढ़ जाता है। संसद में गंभीर विचार-विमर्श के बजाय मात्र नारेबाजी करना किसी भी पक्ष को शोभा नहीं देता। अपराध है यह। इससे आहत होती है जनतंत्र और देश की गरिमा। माफी इस बात के लिए मांगी जानी चाहिए।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

सम्राट अशोक महान जयंती

(लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन (29 मार्च) अद्वितीय वीरता के प्रतीक)

सम्राट अशोक (ईसा पूर्व 304 से ईसा पूर्व 232) विश्वप्रसिद्ध एवं शक्तिशाली भारतीय मौर्य राजवंश के महान सम्राट थे। अशोक बौद्ध धर्म को संरक्षण देने वाले प्रतापी राजा थे। सम्राट अशोक का पूरा नाम देवानांप्रिय (देवताओं का प्रिय) अशोक था। उनका राजकाल ईसा पूर्व 269 से, 232 प्राचीन भारत में था। मौर्य राजवंश के चक्रवर्ती सम्राट अशोक राज्य का मौर्य साम्राज्य उत्तर में हिन्दुकुश, तक्षशिला की श्रेणियों से लेकर दक्षिण में गोदावरी नदी, सुवर्णगिरी पहाड़ी के दक्षिण तथा मैसूर तक तथा पूर्व में बंगाल पाटलीपुत्र से पश्चिम में अफ़गानिस्तान, ईरान, बलूचिस्तान तक पहुँच गया था। सम्राट अशोक का साम्राज्य आज का सम्पूर्ण भारत, पाकिस्तान, अफ़गानिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश, के अधिकांश भूभाग पर था, यह विशाल साम्राज्य उस समय तक से आज तक का सबसे बड़ा भारतीय साम्राज्य रहा है। चक्रवर्ती सम्राट अशोक विश्व के सभी महान एवं शक्तिशाली सम्राटों एवं राजाओं की पंक्तियों में हमेशा शीर्ष स्थान पर ही रहे हैं। सम्राट अशोक ही भारत के सबसे शक्तिशाली एवं महान सम्राट है। सम्राट अशोक को 'चक्रवर्ती सम्राट अशोक कहा जाता है, जिसका अर्थ है - 'सम्राटों के सम्राट', और यह स्थान भारत में केवल सम्राट अशोक को मिला है। सम्राट अशोक को अपने विस्तृत साम्राज्य से बेहतर कुशल प्रशासन तथा बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए भी जाना जाता है।

कलिंग युद्ध के दो वर्ष पहले ही सम्राट अशोक बुद्ध जिससे से प्रभावित होकर बौद्ध अनुयायी हो गये और उन्ही की स्मृति में उन्होंने कई स्तम्भ खड़े कर दिये जो आज भी नेपाल में उनके जन्मस्थल - लुम्बिनी - में मायादेवी मन्दिर के पास, सारनाथ, बौद्ध मन्दिर बोधगया, कुशीनगर एवं आदी श्रीलंका, थाईलैण्ड, चीन इन देशों में आज भी अशोक स्तम्भ के रूप में देखे जा सकते है। अशोक ने सर्वप्रथम बौद्ध पन्थ का सिद्धान्त लागू किया जो आज भी कार्यरत है। सम्राट अशोक ने अपने पुत्र महेंद्र एवं पुत्री संघमित्रा को बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए श्रीलंका भेजा आगे बढ़े।

कलिंग की लड़ाई

चक्रवर्ती सम्राट अशोक ने अपने राज्याभिषेक के 8वें वर्ष (261 ई. पू.) में कलिंग पर आक्रमण किया था। आन्तरिक अशान्ति से निपटने के बाद 269 ई. पू. में उनका विधिवत राज्याभिषेक हुआ। तेरहवें शिलालेख के अनुसार कलिंग युद्ध में 1 लाख 50 सहस्र व्यक्ति बन्दी बनाकर निर्वासित कर दिए गये, 1 लाख लोगों की हत्या कर दी गयी। 1 .5 लाख लोगो घायल हुए, सम्राट अशोक ने भारी नरसंहार को अपनी आँखों से देखा। उपगुपत(बौद्ध भिक्षुक से उपाय पूछा। इससे द्रवित होकर सम्राट अशोक ने शान्ति, सामाजिक प्रगति तथा धार्मिक प्रचार किया।

कलिंग युद्ध ने सम्राट अशोक के हृदय में महान परिवर्तन कर दिया। उनका हृदय मानवता के प्रति दया और करुणा से उद्वेलित हो गया। उन्होंने युद्धक्रियाओं को सदा के लिए बन्द कर देने की प्रतिज्ञा की। यहाँ से आध्यात्मिक और धम्म विजय का युग आरम्भ हुआ। उन्होंने महान बौद्ध धर्म को अपना धर्म स्वीकार किया।

बौद्ध धर्म

कलिंग युद्ध में हुई क्षति तथा नरसंहार से उनका मन युद्ध से उब गया और वह अपने कृत्य को लेकर व्यथित हो उठे। इसी शोक से उबरने के लिए वह बुद्ध के उपदेशों के करीब आते गये और अंत में उन्होंने बौद्ध धर्म स्वीकार कर लिया।

बौद्ध धर्म स्वीकारने के बाद उन्होंने उसे अपने जीवन में उतारने का प्रयास भी किया। उन्होंने शिकार तथा पशु-हत्या करना छोड़ दिया। उन्होंने सभी सम्प्रदायों के सन्यासियों को खुलकर दान देना भी आरंभ किया। और जनकल्याण के लिए उन्होंने चिकित्सालय, पाठशाला तथा सड़कों आदि का निर्माण करवाया।

विद्वानों अशोक की तुलना विश व इतिहास की विभूतियाँ कांस्टेटाइन, ऐटोनियस,सेन्टपॉल, नेपोलियन सीजर के साथ की है।

मृत्यु

अशोक ने लगभग 36 वर्षों तक शासन किया जिसके बाद लगभग 232 ईसापूर्व में उसकी मृत्यु हुई। उसके कई संतान तथा पत्नियां थीं पर उनके बारे में अधिक पता नहीं है। उसके पुत्र महेन्द्र तथा पुत्री संघमित्रा ने बौद्ध धर्म के प्रचार में योगदान दिया। मौर्य वंश का अन्तिम शासक है। सम्राट अशोक अपने समय के महान सम्राट थे उनकी होड कोई नहीं कर सकता

विचार मंथन

मीडिया में छाए रहे अतीक अहमद

(लेखक-सनत जैन)

सोमवार को मीडिया के सभी चैनलों में गैंगस्टर अतीक अहमद छाए रहे। साबरमती जेल से अतीक को नैनी जेल पहुंचाया गया है। सरकार ने करोड़ों रुपए अतीक अहमद को साबरमती जेल से नैनी जेल में पहुंचाने में खर्च कर दिए। सभी चैनल लाइव रिपोर्टिंग करते रहे ऐसा लग रहा था, कि भारत में अतीक अहमद से बड़ी कोई घटना नहीं है. छोटे बड़े सभी इलेक्ट्रॉनिक चैनल में पल-पल की खबरें अतीक अहमद को लेकर प्रचारित की जा रही थी। गेंगस्टर अतीक अहमद का ईवेन्ट शो को लेकर जनसामान्य में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया देखी गई। सोमवार को राज्यसभा और लोकसभा की कार्यवाही दो बार बिना किसी कामकाज के तुरंत स्थगित कर दी गई। विपक्षी सदस्य काली पोशाक पहनकर सदन के अंदर पहुंचे थे। विपक्ष जेपीसी गठित करने की मांग कर रहा था। सदन स्थगित होने के बाद संपूर्ण विपक्ष जब सड़कों पर विरोध प्रदर्शन कर रहा था। जगह-जगह राहुल गांधी की सदस्यता समाप्त किए जाने को लेकर विरोध प्रदर्शन हो रहे थे। उसकी खबर पूरी तरह से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से गायब हो गई। जिस तरह से अतीक अहमद को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में लाने की लाइव कवरेज होती रही। उससे आम जनता का कौतूहल इस बात पर बना रहा, कि अतीक अहमद का कद इतना बड़ा हो गया। उसके सामने संसद भी छोटी हो गई है। साबरमती जेल से यदि स्पेशल प्लेन से भी अतीक अहमद को प्रयागराज लाकर नैनी जेल भेजा जाता, तो मुश्किल से 5 से 10 लाख रूपये सरकार के खर्च होते। लेकिन सरकार ने अतीक को प्रयागराज लाने में करोड़ों रुपए क्यों खर्च किए। यह लोगों की समझ में नहीं आ रहा है। 42 सुरक्षाकर्मी अतीक अहमद को सुरक्षित रूप से लाने के लिए पिछले 3 दिन से लगे हुए थे। इसमें आईपीएस अधिकारी और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी थे। दर्जनों गाड़ियों का काफिला अतीक अहमद के आगे पीछे चल रहा था। ऐसा लग रहा था, कि किसी वीवीआईपी का कोई रोड शो चल रहा है। अतीक के इस ईवेन्ट को देखकर छोटे-मोटे अपराधी भी अतीक बनने का सपना देख रहे होंगे। सही है सरकार की, जिस पर कृपा हो जाए। वह रंक से राजा बन जाता है। अतीक अहमद को जिस तरह से सरकार ने हीरो की तरह बनाकर पेश किया है। आगे चलकर यह और बड़ा गैंगस्टर बनकर बाहर निकलेगा। राजनीतिक हलकों में कहा जा रहा है, कि विपक्ष के प्रदर्शन को मीडिया में नहीं दिखाने का फरमान सत्तापक्ष की ओर से जारी किया गया था। दिन भर सभी चैनलों को अतीक अहमद के लाइव कवरेज को उपलब्ध कराया गया। उसके बारे में पूरी लिखी लिखाई स्क्रिप्ट सभी चैनलों में चलती रही। विपक्ष जरूर मीडिया से गायब रहा। संसद की कार्यवाही सदनों में 1 मिनट भी नहीं चली। विपक्ष बारे में किसी भी चैनल ने कोई उल्लेख और डिबेट नहीं की। सोमवार को सभी विपक्षी दलों ने एकजुट होकर जेपीसी गठित करने की मांग की थी। सैकड़ों सांसदों ने सड़क पर प्रदर्शन किया। राहुल गांधी को घर खाली करने का नोटिस दिया गया। राहुल गांधी ने अभी तक सूरत कोर्ट से सुनाई गई सजा को, स्थगित करने के लिए किसी भी न्यायालय में अपील नहीं की। राहुल गांधी ने संसद से सदस्यता समाप्त करने के खिलाफ भी कोई याचिका हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में दायर नहीं की। कई और भी कई महत्वपूर्ण घटनाएं हुई। लेकिन चैनल केवल अतीक अहमद के ही गुण गाता रहा। जन सामान्य के बीच में इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई है। जनता अब यह कहने लगी है, कि एक अपराधी को लाने के लिए सरकार ने करोड़ों रुपए साबरमती से नैनी जेल तक पहुंचाने में खर्च कर दिए। इसके पीछे सरकार का कोई बड़ा कारण रहा होगा, तब सरकार ने यह किया है। अन्यथा उसे अहमदाबाद से प्रयागराज हवाई जहाज से लाकर कोर्ट में पेश किया जा सकता था। जनता के टैक्स को सरकार किस तरह खर्च करती है। इसका बड़ा उदाहरण है।

एग्जाम में बच्चे के नहीं आए हैं अच्छे मार्क्स तो पेरेंट्स ऐसे करें गाइड

बोर्ड परीक्षा का नाम सुनते ही बच्चों के साथ-साथ उनके पेरेंट्स को भी टेंशन होने लगती हैं। बोर्ड परीक्षा के मार्क्स के आधार पर ही तय होता है कि बच्चा आगे किस विषय की पढ़ाई कर सकता है। स्वाभाविक रूप से, इससे बच्चों और पेरेंट्स पर अतिरिक्त तनाव पैदा होता है। वैसे तो हर छात्र बोर्ड्स में अच्छे मार्क्स लाने की पूरी कोशिश करता हैं। लेकिन जीवन हमेशा हमारी योजना के अनुसार नहीं चलता। कई बार बच्चे को अपेक्षित परिणाम नहीं मिल पाता है। इससे उसका मनोबल काफी गिर जाता है, जिससे वह पूरी तरह टूट सकता है। वहीं, दोस्तों, पड़ोसियों या रिश्तेदारों के बार-बार फोन करने से वह और भी परेशान हो सकता है। इसलिए इस समय माता-पिता को काफी संवेदनशील बनना होगा। बतौर पेरेंट्स, इस समय आपका पहला कर्तव्य बच्चे के साथ रहना है, भले ही उसके परिणाम से आपको निराशा ही क्यों न हुई हो। आइए जानते हैं कि कम मार्क्स आने पर आप कैसे अपने बच्चे को गाइड कर सकते हैं -

कई बार बच्चे को अपेक्षित परिणाम नहीं मिल पाता है। इससे उसका मनोबल काफी गिर जाता है, जिससे वह पूरी तरह टूट सकता है। वहीं, दोस्तों, पड़ोसियों या रिश्तेदारों के बार-बार फोन करने से वह और भी परेशान हो सकता है। इसलिए इस समय माता-पिता को काफी संवेदनशील बनना होगा।

- सबसे पहले खुद को समझाएं कि बोर्ड परीक्षा जीवन का अंत नहीं है। यदि आप अपने बच्चे के सामने अपनी निराशा व्यक्त करते रहेंगे तो वह और भी अधिक दोषी महसूस करेगा।
- इस समय रिश्तेदार-पड़ोसी या दोस्तों के फोन आना स्वाभाविक है। लेकिन जितना हो सके इनसे बचें। क्योंकि इससे आपका बच्चा परेशान हो सकता है। इसके अलावा, फोन पर सामान्य रूप से बात करें। फोन पर 'नहीं, यह इतना अच्छा नहीं कर पाया।' जैसी टिप्पणी न करें। इससे आपके बच्चे की भावनाएं आहत होंगी।
- बच्चे के सामने बार-बार चर्चा न करें कि किसका कितना अच्छा परिणाम आया और किसने कितने अंक प्राप्त किए। अपने बच्चे को यह पूछकर शर्मिंदा न करें कि उसके दोस्तों का रिजल्ट कैसा रहा।
- घर का माहौल सामान्य रखें। एक परीक्षा में खराब परिणाम का मतलब यह नहीं है कि पूरा परिवार एक साथ शोक मनाता रहे।
- सबकी योग्यताएं या प्रतिभाएं समान नहीं होती हैं। अगर आपका बच्चा पढ़ाई में सामान्य है तो उससे टॉप करने या किसी चमत्कार की उम्मीद न करें।
- अपने बच्चे को समझाएं कि बोर्ड परीक्षा के मार्क्स ही उसकी एकमात्र पहचान नहीं है। वह किस तरह का व्यक्ति है, यही असली बात है। परीक्षा में आए अंकों से उसके प्रति आपका रवैया नहीं बदलेगा।
- इस समय बच्चे को ज्यादा अकेला न रहने दें। अपने बच्चे के साथ बैठें और उसके साथ बातचीत और मौज-मस्ती करें। फिर उससे धीरे-धीरे उसकी भविष्य की योजनाओं के बारे में बात करें।
- कई ऐसे लोग हैं जिन्हें परीक्षा में अच्छे परिणाम नहीं मिलते हैं। लेकिन उसके बाद भी उन्हें अपने मनपसंद विषय में पढ़ने का मौका मिला और उन्होंने जीवन में अच्छे परिणाम भी हासिल किए। अपने बच्चे को ऐसे लोगों का उदाहरण दें।
- बच्चे को समझाएं कि स्कूल की परीक्षा ही जीवन का अंत नहीं है। उसके बाद जीवन में और भी कई परीक्षाएं होंगी। ऐसे कई लोग हैं जो परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन ना कर पाने के बाद भी जीवन में सफल हुए हैं।
- यदि आपका बच्चा बुरे परिणामों को बिल्कुल भी स्वीकार नहीं कर सकता है तो आपको उसे परामर्श के लिए मनोवैज्ञानिक के पास ले जाना चाहिए। पेशेवर मदद लेने में कोई शर्म नहीं है।

बायोकेमिस्ट्री में बनाएं अपना कॅरियर

बायोकेमिस्ट कोशिकाओं और अंगों के भीतर और उनके बीच संचार, मस्तिष्क के कार्य के तंत्र और वंशानुक्रम और रोग के रासायनिक आधारों में अपनी रुचि दिखाते हैं। जैव रसायन चिकित्सा, जैव प्रौद्योगिकी, पशु चिकित्सा और कृषि में व्यावहारिक प्रगति का आधार प्रदान करता है।

आवश्यक कौशल, स्कोप और वेतन

जैव रसायन क्या है ?

जैव रसायन मूल रूप से कोशिकीय और आणविक स्तर पर जैविक प्रक्रियाओं के अध्ययन के लिए रसायन विज्ञान के सिद्धांतों का अनुप्रयोग है। जैव रसायन जीवित जीवों के रसायन विज्ञान और जीवित कोशिकाओं में होने वाले परिवर्तनों के आणविक आधार को देखता है और इस प्रकार यह जीवन विज्ञान और रासायनिक विज्ञान दोनों है। जैव रसायन हमारे शरीर को बनाने वाले घटकों को तोड़ने, चलाने, बनाने और मरम्मत करने वाली रासायनिक प्रतिक्रियाओं को सीखने के बारे में है। जैव रसायन बुनियादी विज्ञानों में सबसे व्यापक होने के कारण इसमें कई उप-विशिष्टताएं शामिल हैं जैसे कि जैव-रासायनिक विज्ञान, भौतिक जैव रसायन, तंत्रिका रसायन, क्लीनिकल जैव रसायन, आणविक आनुवंशिकी, जैव रासायनिक औषध विज्ञान और प्रतिरक्षा रसायन। बायोकेमिस्ट कोशिकाओं और अंगों के भीतर और उनके बीच संचार, मस्तिष्क के कार्य के तंत्र और वंशानुक्रम और रोग के रासायनिक आधारों में अपनी रुचि दिखाते हैं। जैव रसायन चिकित्सा, जैव प्रौद्योगिकी, पशु चिकित्सा और कृषि में व्यावहारिक प्रगति का आधार प्रदान करता है। एक बायोकेमिस्ट यह निर्धारित करना चाहता है कि ऐसी प्रक्रियाओं में प्रोटीन, न्यूक्लिक एसिड, लिपिड, विटामिन और हार्मोन जैसे विशिष्ट अणु कैसे कार्य करते हैं।

जैव रसायनज्ञों के लिए आवश्यक योग्यता

- एक प्रतिष्ठित संस्थान से बायोकैमिस्ट्री में स्नातक- बीएससी बायोकैमिस्ट्री।
- स्नातकोत्तर- यदि आप इस क्षेत्र में अपना करियर आगे बढ़ाना चाहते हैं तो स्नातक होने के बाद एमएससी बायोकैमिस्ट्री जरूरी है।
- कुछ संस्थान बायोकेमिस्ट्री इंटीग्रेटेड कोर्स ऑफर करते हैं जो एक अच्छा विकल्प भी हो सकता है।
- एमएससी बायोकैमिस्ट्री स्नातकोत्तर, जो अनुसंधान में शामिल होना चाहते हैं, उन्हें नेट / गेट परीक्षा उत्तीर्ण होनी चाहिए, क्योंकि अधिकांश सरकारी और निजी संस्थान इसे नौकरी चयन के लिए एक आवश्यक मानदंड के रूप में रखते हैं।
- जैव रसायन अनुसंधान क्षेत्र में एक समृद्ध कॅरियर के लिए पीएचडी डिग्री होना जरूरी है।
- कुछ विश्वविद्यालय चार साल का स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं जिसमें पहले से ही एक अनुसंधान प्लेसमेंट वर्ष शामिल होता है, जो आमतौर पर फार्मास्युटिकल या बायोटेक्निकल उद्योग या एक शोध संस्थान में किया जाता है।

बायोकैमिस्ट्री डिग्री से संबंधित नौकरियों में शामिल हैं :

- रिसर्च फैलो
- एनालिटिकल केमिस्ट
- जैव चिकित्सा वैज्ञानिक
- फार्मा एसोसिएट
- क्यूए / एसी एसोसिएट
- हेल्थकेयर वैज्ञानिक
- क्लीनिकल जैव रसायन
- खाद्य सुरक्षा विश्लेषक
- नैदानिक अनुसंधान सहयोगी
- फोरेंसिक वैज्ञानिक
- अनुसंधान वैज्ञानिक
- विष विज्ञानी
- व्याख्याता / प्रोफेसर

बायोकैमिस्ट्री में कॅरियर के अवसर लगभग असीमित हो सकते हैं :

सरकारी एजेंसियां, निजी शोध संस्थान, अस्पताल, सामाजिक और गैर-लाभकारी संगठन सभी को एक अच्छे बायोकेमिस्ट की तलाश रहती है। उनका एक सामान्य लक्ष्य है अनुसंधान करना, प्रयोग करना, परीक्षण करना और एड्स और कैंसर जैसी बीमारियों के इलाज का पता लगाना और यहां तक कि मानसिक विकारों के लिए भी।

आवश्यक स्किल्स

- आवश्यक डिग्री का स्तर स्थिति के आधार पर भिन्न होता है। कई सेटिंग्स के लिए बायोकैमिस्ट्री में स्नातक की डिग्री पर्याप्त है, जबकि उन्नत शोध कार्य के लिए डॉक्टरेट की डिग्री अनिवार्य होती है।
- बायोकैमिस्ट्री या संबंधित क्षेत्र में स्नातक डिग्री प्रोग्राम में छात्र आमतौर पर गणित, भौतिकी और कंप्यूटर विज्ञान के पाठ्यक्रमों के अलावा, जैविक और रासायनिक विज्ञान में पाठ्यक्रम लेते हैं।
- बायोकेमिस्ट के लिए गणित और कंप्यूटर विज्ञान के पाठ्यक्रम महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि उन्हें जटिल डेटा विश्लेषण करने में सक्षम होना चाहिए।
- स्नातक होने के बाद कुछ कार्य अनुभव प्राप्त करके अवसरों में सुधार किया जा सकता है जैसे कि किसी कंपनी या शोध प्रयोगशाला में इंटर्नशिप।
- इच्छुक जैव रसायनज्ञों के लिए प्रयोगशाला अनुभव आवश्यक है; उन्नत शोध पदों के लिए पोस्टडॉक्टरल शोध कार्य की आवश्यकता हो सकती है।
- चिकित्सा, वैज्ञानिक, क्वेरी और स्प्रेडशीट सॉफ्टवेयर का ज्ञान मौलिक है।
- विभिन्न प्रकार के उपकरण जैसे गैस क्रोमैटोग्राफ और इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप का उपयोग सूक्ष्म जीवविज्ञानी द्वारा उचित रूप से किया जाना चाहिए।
- बायोकैमिस्ट्री व्यावसायिक रूप से एक मूल्यवान डिग्री है और यह महत्वपूर्ण उद्योगों की एक श्रृंखला में अच्छी तरह से भुगतान करने वाली नौकरियों के लिए काफी उपयोगी होती है। जैव रसायन के भीतर कार्य क्षेत्र विशाल है।

बायोकेमिस्ट्री फ्रेशर्स के लिए औसत वेतन इस प्रकार हैं:

- अनुसंधान संस्थानों में एंट्री लेवल का वेतन (नेट / गेट के बिना) : रुपये 15,000 - 20,000 / - प्रति माह
- अनुसंधान संस्थानों में प्रवेश स्तर का वेतन (नेट / गेट के साथ) रुपये 20,000 - 30,000 / - प्रति माह
- बायोफार्मा कंपनियों में प्रवेश स्तर का वेतन रु.18,000/- से रु. 25,000/- प्रति माह
- अनुसंधान संस्थानों में अनुभवी के लिए औसत वेतन (नेट / गेट के बिना) : रुपये 25,00/ - से 40,000/ - रुपये प्रति माह
- अनुसंधान संस्थानों में अनुभवी के लिए औसत वेतन (नेट / गेट के साथ) : रुपये 30,000/- से रुपये 60,000 /- प्रति माह
- बायोफार्मा कंपनियों में अनुभवी के लिए औसत वेतन 30,000/- से 80,000/- रुपये प्रति माह
- अनुभव के साथ आपका वेतन सामान्य रूप से बढ़ता ही जाता है। पीएचडी की डिग्री और एक अच्छे कौशल के साथ आप बायोकैमिस्ट्री में एक सफल करियर बना सकते हैं।

जर्मनी में करें पढ़ाई और स्कॉलरशिप भी पाएं

जर्मनी टेक्नोलॉजी में काफी आगे है और यहां का एजुकेशन सिस्टम भी कई देशों की तुलना में काफी बेहतर माना जाता है। ऐसे में तमाम भारतीय छात्र जर्मनी की ओर पढ़ाई का रूख करते ही हैं। वास्तव में उन्हें काफी सहूलियत भी मिलती है। चूंकि एजुकेशन डेस्टिनेशन के रूप में हाल-फिलहाल जर्मनी काफी पॉपुलर हो रहा है, और वहां क्वालिटी एजुकेशन भी बड़े पैमाने पर मिल रही है, इसलिए स्वाभाविक है कि वहां भारतीय छात्रों की संख्या भी लगातार बढ़ती जा रही है। एक अनुमान के मुताबिक प्रत्येक वर्ष 7 फीसदी से अधिक भारतीय छात्र वहां पढ़ने जा रहे हैं। आप कह सकते हैं कि जर्मनी में ऐसी क्या चीज है, जिसके कारण छात्र आकर्षित हो रहे हैं, तो इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि वहां उचित शिक्षा की फीस बहुत कम है और न केवल शिक्षा की, बल्कि शिक्षा के बाद काम करने के लिए परमिट भी वहां आसानी से मिल जाता है। खास बात यह है कि अगर आप जर्मनी में शिक्षा लेना चाहते हैं, तो आप बेहतरीन स्कॉलरशिप भी पा सकते हैं। कुछ स्कॉलरशिप प्रोग्राम्स के बारे में.

एचडब्ल्यूके फैलोशिप

जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है और यह एक प्रतिष्ठित स्कॉलरशिप मानी जाती है। अगर आप एक काबिल वैज्ञानिक हैं, तो फेलोशिप प्रोजेक्ट के बेसिस पर जर्मनी में स्टडी के लिए रेग्युलर फैलोशिप और जूनियर फैलोशिप 3 और 10 महीने के लिए प्रदान की जाती है। जाहिर तौर पर यह एक आकर्षक फैलोशिप है, जो ब्राइट स्टूडेंट्स के लिए काफी मददगार साबित होती है। यूं भी विज्ञान के प्रयोगों में काफी धन की आवश्यकता होती है और इसीलिए इस स्कॉलरशिप प्रोग्राम को काफी हाईलाइट किया जाता है।

जीएसएलएस फैलोशिप

विर्जवर्ग यूनिवर्सिटी, 3 सालों के लिए पीएचडी फेलोज को यह स्कालरशिप देती है। खास बात यह है कि इसमें आपको लाइफ साइंस के किसी भी सब्जेक्ट में डिग्री लेनी होती है। इस फेलोशिप में प्रत्येक वर्ष 4 लाख रिसर्च से सम्बंधित खर्च, यात्रा आदि पर खर्च किए जाते हैं।

मैनहीम यूनिवर्सिटी डॉचलैंड स्कॉलरशिप

इस स्कॉलरशिप का नाम तो आपने सुना ही होगा। अगर आप बेहतरीन मेरिट पाते हैं, तो ग्रेजुएशन या पोस्ट ग्रेजुएशन के लिए आप इस स्कॉलरशिप हेतु आवेदन कर सकते हैं। रू.24000 प्रत्येक महीने आपको स्कॉलरशिप के तौर पर दिए जाते हैं जो कि एक काफी आकर्षक स्कॉलरशिप मानी जा सकती है। विदेशों में अगर आपको इतनी रकम पढ़ाई के लिए मिलती है, वह भी प्रत्येक महीने तो वह आपकी शिक्षा में निश्चित तौर पर मददगार साबित होगी।

जीएसएलएस फेलोशिप, विर्जवर्ग यूनिवर्सिटी, जर्मनी

स्कॉलरशिप पीएचडी की पढ़ाई करने वालों के लिए है चाहे इस्ट्रीम जो भी हो अगर आप मास्टर डिग्री ले चुके हैं इस स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई कर सकते हैं तकरीबन 6 महीने तक रू.63000 तक आपको मिल सकते हैं रू. 32000 प्रत्येक महीने चुने हुए हैं स्कॉलर के बच्चों के लिए खर्च दिए जाते हैं तो जाहिर तौर पर आप को लाभ पहुंचा सकता है

आइंस्टाइन फैलोशिप जर्मनी

आइंस्टाइन फोरम टाइमर एंड डैमर ऐंड बेंज फाउंडेशन भारत के ह्यूमैनिटीज, सोशल साइंस अथवा नेचुरल साइंसेज के छात्रों को यह फेलोशिप प्रोवाइड करता है। महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइन्स्टीन के नाम पर शुरू की गयी इस फेलोशिप का मतलब बेहतर प्रतिभाओं को सामने लाना है।

आइंस और इंजीनियरिंग में डीएएडी इंटर्नशिप

इंटर्नशिप में करंट में चल रहे रिसर्च और भिन्न परियोजनाओं के हिस्से के तौर पर डॉक्टोरल स्टूडेंट्स, प्रोफेसर या साइंटिस्ट के साथ काम करने का मौका इसमें मिलता है। गणित, विज्ञान या फिर इंजीनियरिंग के स्टूडेंट अंतिम वर्ष में या उससे पहले भी इंटरव्यू के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसमें ट्रैवल एलाउंस के लिए आपको प्रत्येक महीने 50 हजार रू. तक मिल जाते हैं, जो कि पढ़ाई करने वाले स्टूडेंट के लिए सफिशिएंट माने जा सकते हैं।

बोहरिंगर इंगेलहिम फोंड्स पीएचडी फेलोशिप

भारत के बेहद जूनियर साइंटिस्ट इस स्कॉलरशिप का फायदा उठा सकते हैं। वे जर्मनी के हायर एजुकेशन इंस्टिट्यूट में पीएचडी कर सकते हैं। दाखिला लेने के बाद, स्कॉलरशिप के तहत साइंटिफिक रिसर्च और लाइव फील्ड एक्सपेरिमेंट के लिए इसमें फंड प्रोवाइड किया जा सकता है। आप यह जानकर हैरान रह जाएंगे कि मासिक भत्ते के रूप में तकरीबन 12 लाख रुपया दिया जाता है तो रू. 12000 रिसर्च एंड डेवलपमेंट भत्ता के तौर पर। इसके अलावा भी दूसरे भत्ते इसमें शामिल हैं।

इस सप्ताह 7000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल सकती है डिज्नी

नई दिल्ली । वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी, मेटा, अमेजन और गूगल के बाद डिज्नी ने भी छंटनी का ऐलान किया है। कंपनी ने कहा है कि वह कॉर्पोरेट खर्च को कम करने और फ्री कैश फ्लो को बढ़ावा देने के लिए इस सप्ताह लगभग 7,000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल सकती है। डिज्नी के मीडिया और डिस्टीब्यूशन डिवीजन, पार्क एंड रिसॉर्ट्स और ईएसपीएन छंटनी से प्रभावित होंगे। डिज्नी का दावा है कि नौकरी में कटौती से कंपनी को 5.5 अरब डॉलर की लागत में कटौती करने में मदद मिलेगी। सूत्रों से पता चला है कि डिज्नी के सीईओ बॉब इगर ने कहा है कि छंटनी का दूसरा दौर बहुत बड़ा होगा। अप्रैल के महीने में कई हजार कर्मचारियों को कटौती के बारे में सूचित किया जाएगा। गर्मियों की शुरुआत से पहले तीसरे और अंतिम दौर की अधिसूचना की उम्मीद है। एक मेमो में डिज्नी के कर्मचारियों को इगर ने लिखा, हमने कंपनी के रणनीतिक पुनर्गठन के हिस्से के रूप में लगभग 7,000 नौकरियों को समग्र कार्यबल से कम करने का कठिन निर्णय लिया है, जिसमें अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण लागत-बचत उपाय शामिल हैं। हमारे उन कर्मचारियों के लिए, जो प्रभावित नहीं हैं, मैं यह स्वीकार करना चाहता हूं कि निस्संदेह आगे चुनौतियां होंगी।

रिलायंस कैपिटल के लिए दूसरी नीलामी चार अप्रैल को

नई दिल्ली । कर्ज में फंसी कंपनी रिलायंस कैपिटल के कर्जदाताओं ने समाधान प्रक्रिया के तहत अधिक राशि जुटाने के लिए चार अप्रैल को दूसरे दौर की नीलामी करने का फैसला किया। सूत्रों ने बताया कि कर्जदाताओं की समिति (सीओसी) ने नीलामी के दूसरे दौर की योजना पर आगे बढ़ने का फैसला किया गया। इस बीच पहले दौर की नीलामी में शामिल हिंदुजा समूह की कंपनी आईआईएचएल ने 9,000 करोड़ रुपए की संशोधित बोली पर टिके रहने के फैसले से सीओसी को अवगत कराया है। नए दौर की नीलामी के लिए कर्जदाताओं ने 9,500 करोड़ रुपए की शुरुआती बोली तय की है जिसमें न्यूनतम नकद राशि 8,000 करोड़ रुपए की होगी।

ईपीएफओ ने बढ़ाई पीएफ पर ब्याज दर

नई दिल्ली । सरकार ने वित्त वर्ष 2022- 2023 के लिए पीएफ की ब्याज दर बढ़ा दी है। ईपीएफओ की ब्याज दर 8.10 फीसदी से बढ़ाकर 8.15 फीसदी तय की गई है। सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज (सीबीटी) की बैठक में इसको सहमति मिली है। मालूम हो कि हर साल मार्च के महीने में सीबीटी की बैठक में ब्याज दरों पर फैसला लिया जाता है। इस बार ये बैठक 27-28 मार्च को हुई थी। श्रम और रोजगार मंत्रालय की ओर से हाल ही में जारी पेरोल डेटा से पता चला है कि ईपीएफओ ने जनवरी 2023 में 14.86 लाख ग्राहक जोड़े। वहीं 3.54 लाख मेंबर्स ईपीएफओ से बाहर हुए। पिछले वित्त वर्ष के लिए सरकार ने 40 साल में सबसे कम ब्याज देने का फैसला किया गया था। 2021-22 के लिए 8.1 फीसदी ब्याज तय किया गया था। इससे पहले ये 8.5 फीसदी मिल रहा था। साल 1977-78 में ब्याज दर 8 फीसदी थी। इसके बाद से हमेशा 8.25 फीसदी से ऊपर ही रही। वित्त वर्ष 2018-19 में 8.65 फीसदी, 2017-18 में 8.55 फीसदी, 2016-17 में 8.65 फीसदी और वित्त वर्ष 2015-16 में 8.8 फीसदी ब्याज मिला था। आप अपने पीएफ अकाउंट का पासबुक चेक करके ये देख सकते हैं कि आपका ब्याज का पैसा आया है या नहीं। आप इसके लिए या तो ईपीएफओ की ऑफिशियल वेबसाइट पर जा सकते हैं या फिर 7738299899 नंबर पर ईपीएफओएचओ यूएएन ईएनजी मैसेज भी भेज सकते हैं। 9966044425 भी एक नंबर है, जिसपर मिस्ड कॉल भेजकर पीएफ बैलेंस चेक किया जा सकता है। इसके अलावा, उमंग ऐप के जरिए भी पीएफ अकाउंट एक्सेस किया जा सकता है।

शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ

मुम्बई ।

शेयर बाजार मंगलवार को मामुली गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 40.14 अंक करीब 0.07 फीसदी नीचे आकर 57,613.72 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान सेंसेक्स 57,949.45 के उच्च स्तर तक पहुंचा था। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 34 अंक तकरीबन 0.02 फीसदी नीचे आया है। कारोबार के अंत में निफ्टी 16,951.70 अंक पर नीचे आकर बंद हुआ। वहीं यह 17,061.75 तक ऊपर आया था। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में 12 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। इंडसइंड बैंक, पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, और एनटीपीसी सेंसेक्स के शेयरों को सबसे ज्यादा लाभ हुआ। इंडसइंड बैंक का शेयर सबसे अधिक 2.13 फीसदी तक उछला। वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में 18 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। इसमें टेक महिंद्रा, टाटा मोटर्स, भारती एयरटेल, विप्रो और बजाज फिनसर्व आदि शेयर रहे। सबसे अधिक करीब 2.92 फीसदी तक नुकसान टेक महिंद्रा के शेयरों को हुआ।

वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंगसेंग ऊपर आया है जबकि चीन का शंघाई कम्पोजिट गिरा है। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में तेजी रही। अमेरिकी बाजारों में गत दिवस मिला-जुला कारोबार हुआ था वहीं ब्रेंट क्रूड 0.50 फीसदी बढ़कर 78.51 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इससे पहले आज सुबह दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों की वजह से बाजार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई है। सेंसेक्स 174.97 अंक की बढ़त के साथ 57,828.83 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 62.25 अंक की बढ़त के साथ 17,047.95 के स्तर पर कारोबार कर रहा था पर समय के साथ ही बिकवाली हावी होने से इसमें गिरावट आने लगी।

रुपया 15 पैसे चढ़कर 82.16 पर

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार में सकारात्मक रुख और अमेरिकी डॉलर में कमजोरी के चलते निवेशकों की धारणा मजबूत होने से रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 15 पैसे चढ़कर 82.16 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 82.20 पर खुला, फिर बढ़त के साथ 82.16 के स्तर पर आ गया जो पिछले कारोबारी दिवस के मुकाबले 15 पैसे की बढ़त को दर्शाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82.31 के स्तर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.25 फीसदी गिरकर 102.59 पर आ गया।

एप्पल अब खत्म कर सकता है वर्क फ्रॉम होम

- कर्मचारियों को हफ्ते में 3 दिन ऑफिस आने का आदेश, न आने वालों की होगी छुट्टी

नई दिल्ली । दिग्गज टेक कंपनी ऐपल अब वर्क फ्रॉम होम खत्म करने पर विचार कर रहा है। कंपनी ने उन कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई करने की धमकी दी है जो हफ्ते में कम से कम तीन दिन ऑफिस नहीं आ रहे हैं। ऑफिस में न आने वाले कर्मचारियों की नौकरी भी जा सकती है। ऐपल बैज रिकॉर्ड के जरिए ऑफिस में कर्मचारियों की मौजूदगी पर नजर रख रही है। कोविड-19 के समाप्त हो जाने के बाद भी बहुत से कर्मचारी ऑफिस आकर काम करने को राजी नहीं है। वे चाहते हैं कि कंपनी उन्हें घर से ही काम करने की छूट दे। ऐपल अब यह छूट देने के मूड में नहीं है। कंपनी का मानना है कि वर्क फ्रॉम होम से कंपनी की उत्पादकता कम हो रही है। हालांकि कर्मचारियों का कहना है कि कोविड-19 के कठिन दौर में भी कर्मचारियों ने घर में रहकर काम किया और अपने टार्गेट अचीव किए थे। इसलिए कंपनी को वर्क फ्रॉम होम पूरी तरह खत्म नहीं करना चाहिए। हर सप्ताह कर्मचारी को मंगलवार और गुरुवार को हर हाल में ऑफिस आना होगा! बाकी के एक दिन का सेलेक्शन टीम लीडर की तरफ से किया जाएगा। ऐपल कर्मचारी कंपनी के इस फैसले से नाखुश हैं। कर्मचारियों का कहना है कि उन्होंने वर्क फ्रॉम होम के दौरान काफी बेहतर काम किया है। मार्च 2022 में कंपनी की हाइब्रिड वर्क कल्चर का ऐलान करते हुए सीईओ टिम कुक ने रिमोट वर्क को मदर ऑफ ऑल एक्सपेरिमेंट बताते हुए कहा था कि ये काम करने का अच्छा तरीका नहीं है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था की रफ्तार 2030 तक सबसे कम रह सकती है: वर्ल्ड बैंक

- पिछले तीन दशकों में ग्रोथ और समृद्धि बढ़ाने वाली सभी आर्थिक ताकतें कमजोर हुईं

नई दिल्ली ।

ग्लोबल इकोनॉमी पर मंदी के बादल मंडरा रहे हैं। अमेरिका और यूरोप में बैंकिंग संकट ने स्लोडाउन की आशंका को और बढ़ा दिया है। अब वर्ल्ड बैंक ने अपनी एक रिपोर्ट में चेतावनी दी है। वर्ल्ड बैंक ने कहा है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की रफ्तार 2030 तक तीन दशक में सबसे कम रह सकती है। वर्ल्ड बैंक ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि प्रोडक्टिविटी और लेबर सप्लाई को बढ़ावा देने, निवेश को बढ़ावा देने के साथ-साथ सर्विस सेक्टर की क्षमताओं को बेहतर तरीके से इस्तेमाल करना होगा. रिपोर्ट में कोविड-19 और रूस-यूक्रेन के बाद पोटेंशियल आउटपुट ग्रोथ रेट का वैल्यूएशन किया गया है। वर्ल्ड बैंक ने अपनी रिपोर्ट में इस बात पर चिंता जताई है कि पिछले तीन दशकों में ग्रोथ और समृद्धि को बढ़ावा देने वाली लगभग सभी आर्थिक ताकतें कमजोर हो गई हैं। इस गिरावट की वजह से 2022-2030 के बीच एवरेज ग्लोबल पोटेंशियल जीडीपी ग्रोथ में कमी आने की आशंका है।

यह ट्रेंड सिर्फ विकसित इकोनॉमी तक ही सीमित नहीं है। विकसित देशों में भी ग्रोथ कम होने का अनुमान है। इस देश के बाकी समय में वार्षिक ग्रोथ चार फीसदी रह सकती है। अगर वैश्विक संकट आता है तो हालात और भी बिगड़ सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि जिस मंदी का हम जिक्र कर रहे हैं वो और तेज हो सकती है। यदि एक और वैश्विक वित्तीय संकट उभरता है, खासकर

अगर वह संकट वैश्विक मंदी के साथ हो तो ये मंदी विकास की संभावनाओं को प्रभावित कर सकती है।

अमेरिका और यूरोप के बैंकिंग संकट ने दुनिया भर के बाजारों को झकझोर दिया है। भारतीय बाजार में भी इसका असर देखने को मिल रहा है। बैंकिंग स्टॉक्स पर दबाव दिख रहा है। अमेरिका में दो बैंकों पर ताला लग गया है और कई दूसरे बैंकों पर भी इस संकट का साया गहराता नजर आ रहा है। आशंका जताई जा रही है कि सिलिकॉन वैली बैंक और सिग्नेचर बैंक के डूबने के बाद अमेरिका का बैंकिंग संकट अपनी चपेट में कई और बैंकों को भी ले सकता है। यूरोप का क्रेडिस सुइस बैंक संकट में फंसकर बिक गया। वित्तीय संकट से जूझ रहे स्विट्जरलैंड के बैंक क्रेडिट सुइस का अधिग्रहण यूनियन बैंक ऑफ स्विट्जरलैंड करेगा।

तुअर दाल के स्टॉक की निगरानी करने के लिए समिति गठित

नई दिल्ली ।

सरकार ने जमाखोरी एवं सट्टेबाजी को रोकने के लिए आयातकों, मिलों, स्टॉकिस्टों और व्यापारियों के पास मौजूद तुअर दाल के स्टॉक की निगरानी करने के लिए एक समिति का गठन किया है। एक सरकारी बयान में कहा गया है कि सरकार घरेलू बाजार में बाकी दालों के स्टॉक की स्थिति पर भी करीब से नजर रख रही है ताकि आने वाले महीनों में कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि की स्थिति में जरूरी कदम उठाए जा सकें। बयान में कहा गया है कि यह निर्णय अच्छी मात्रा में आयात होने के बावजूद बाजार के कारोबारियों द्वारा स्टॉक जारी नहीं करने की खबरों के मद्देनजर लिया गया है। उपभोक्ता मामलों के विभाग में अतिरिक्त सचिव निधि खरे की अध्यक्षता वाली समिति राज्य सरकारों के साथ समन्वय में अरहर के स्टॉक की निगरानी करेगी। इससे पहले पिछले साल 12 अगस्त को सरकार ने राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों को आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत तुअर दाल के संबंध में स्टॉक खुलासा लागू करने के लिए एक परामर्श जारी किया था। इसके अलावा सुचारू और निर्बाध आयात की सुविधा के लिए सरकार ने गैर-एलडीसी (गैर-कम विकसित देशों) देशों से अरहर के आयात के लिए लागू 10 प्रतिशत शुल्क को हटा दिया है क्योंकि यह शुल्क एलडीसी से शून्य शुल्क वाले आयात के लिए भी प्रक्रियात्मक बाधाएं पैदा करता है।

स्टॉक के खुलासे की निगरानी के लिए हाल में समिति का गठन बाजार में जमाखोरों और सटोरियों से निपटने के लिए सरकार की मंशा को बताता है। बयान में कहा गया है कि यह आने वाले महीनों में अरहर की कीमतों को नियंत्रण में रखने के सरकार के दृढ़ संकल्प को भी दर्शाता है।

जोमेटो ने किया सन मोबिलिटी के साथ करार

मुंबई । इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए ऊर्जा अवसंरचना एवं सेवा प्रदाता कंपनी सन मोबिलिटी ने खाद्य आपूर्ति के ऑनलाइन मंच जोमेटो को सेवाएं प्रदान करने के लिए उसके साथ एक साझेदारी की है। इस करार के तहत कंपनी अगले दो वर्ष तक जोमेटो को 50,000 इलेक्ट्रिक दो पहिया वाहनों के बेड़े के लिए बैटरी अदला-बदली समाधानों की पेशकश करेगी और शुरुआत में दिल्ली में उतारा जाएगा। कंपनी ने कहा कि जोमेटो के मंच से जुड़े अंतिम छोर तक आपूर्ति करने वाले साझेदारों को इसका लाभ मिलेगा और उन्हें अपने दो पहिया इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बैटरी अदला-बदली के सुविधाजनक एवं किफायती समाधान मिल सकते हैं। सन मोबिलिटी के अधिकारी ने कहा कि जोमेटो के साथ हुआ करार टिकाऊ और पर्यावरण अनुकूल परिवेश बनाने के कंपनी के लक्ष्य को पाने की दिशा में अहम कदम है। उन्होंने बताया कि इससे कंपनी के कार्बन उत्सर्जन में बड़ी कमी आएगी।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें कुछ राज्यों में बदली

- ब्रेंट क्रूड का भाव 2 डॉलर से ज्यादा बढ़कर 77.93 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में क्रूड की बढ़ती कीमतों ने एक बार फिर दबाव बढ़ाना शुरू कर दिया है। बीते 24 घंटे में क्रूड 2 डॉलर से भी ज्यादा महंगा हो गया है। इस बीच मंगलवार पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में भी बदलाव दिख रहा है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार गाजियाबाद में पेट्रोल 32 पैसे सस्ता हुआ और 96.26 रुपए लीटर हो गया, जबकि डीजल 30 पैसे गिरकर 89.45 रुपए लीटर बिक रहा है। हरियाणा की राजधानी गुरुग्राम में पेट्रोल 4 पैसे महंगा हुआ और 96.97 रुपए लीटर हो गया है, जबकि डीजल 4 पैसे चढ़कर 89.84 रुपए लीटर हो गया है। राजस्थान की राजधानी जयपुर में पेट्रोल 68 पैसे महंगा होकर 109.46 रुपए लीटर पहुंच गया है, जबकि डीजल यहां 62 पैसे चढ़कर 94.61 रुपए लीटर बिक रहा है। कच्चे तेल में बीते 24 घंटे में उछाल आया है। ब्रेंट क्रूड का भाव 2 डॉलर से ज्यादा बढ़कर 77.93 डॉलर प्रति बैरल के भाव पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई भी 3 डॉलर बढ़कर 72.75 डॉलर प्रति बैरल हो गया है।

दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, गाजियाबाद में पेट्रोल 96.26 रुपए और डीजल 89.45 रुपए प्रति लीटर हो गया है, गुरुगाम में पेट्रोल 96.97 रुपए और डीजल 89.84 रुपए प्रति लीटर और जयपुर में पेट्रोल 109.46 रुपए और डीजल 94.61 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

पंच ने अपनी ईंधन दक्षता में पाई सबसे अधिक ग्रोथ

-ग्राहकों की पहली पसंद बनी टाटा की पंच

नई दिल्ली ।

टाटा मोटर्स की सभी कॉम्पैक्ट कारों के पेट्रोल वर्जन से शुरू करके, पंच ने अपनी ईंधन दक्षता में सबसे अधिक ग्रोथ प्राप्त की है, जो कि 1.13 केएमपीएल तक बढ़ी है, जो इस आंकड़े को 20.1 केएमपीएल तक ले जाती है। पंच के अलावा, अन्य कारों के वेरिएशन में टिगोर के लिए 0.6 केएमपीएल (19.6 केएमपीएल), टियागो के लिए 1केएमपीएल (20.01 केएमपीएल),अल्ट्राज के लिए 0.7 केएमपीएल (19.3 केएमपीएल) और नेक्सान के लिए 0.75 केएमपीएल (17.1 केएमपीएल) शामिल हैं. टाटा मोटर्स ने अल्ट्रोज़ और पंच को पॉवर देने वाले 1.2-लीटर पेट्रोल इंजन में लो-एंड पावर की कमी को भी संबोधित किया है, जो अब पहले की तुलना में बेहतर ड्राइवबिलिटी प्रदान करने का दावा करते हैंयह इंजन अल्ट्रोज़ और पंच दोनों पर 86 बीएचपी और 113 एनएम का टार्क पैदा करता है।इन दोनों कारों में 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के अलावा यह इंजन पंच में 5-स्पीड एएमटी और अल्ट्रोज़ में 6-स्पीड डीसीटी के साथ भी उपलब्ध है.पहले की गई अटकलों के विपरीत, टाटा मोटर्स ने अल्ट्राज के डीजल-संचालित वेरिएंट को जारी रखने का फैसला किया है।इसके साथ और ह्यूदै आई20 डीजल को बंद करने के साथ, टाटा अल्ट्राज अब भारत में डीजल-संचालित वेरिएंट के साथ आने वाली एकमात्र हैचबैक है।डीजल अल्ट्रोज़ के लिए, टाटा मोटर्स ने 0.6 केएमपीएल की बढ़ोतरी का दावा किया है, जिसके साथ इसकी दावा की गई ईंधन दक्षता अब 23.6 केएमपीएल है। टाटा मोटर्स की कारों और एसयूवी पर दी जाने वाली स्टैंडर्ड वारंटी अब 3 साल/1 लाख किमी (जो भी पहले हो) है।पहले ये सभी कारें और एसयूवी 2 साल/75,000 किमी (जो भी पहले हो) के लिए उपलब्ध थीं।

खाने के तेलों की कीमतों का मिलाजुला रुख रहा

नई दिल्ली ।

देश में शुल्क मुक्त आयात की कोटा व्यवस्था के तहत सूरजमुखी और सोयाबीन तेल का आयात बढ़ने और विदेशों में भाव कमजोर होने के बीच दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में सोमवार को खाने के तेलों की कीमतों में मिलाजुला रुख रहा। सस्ते आयातित तेलों के दबाव में एक ओर जहां सरसों तेल-तिलहन और सोयाबीन तेल के दाम में गिरावट आई, वहीं मलेशिया एक्सचेंज के मजबूत होने से कच्चा पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन तेल कीमतों में सुधार आया। मूंगफली तेल-तिलहन, सोयाबीन तिलहन और बिनौला तेल के भाव पूर्वस्तर पर ही बंद हुए।

सोमवार को तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे- सरसों तिलहन 5,210-5,260 (42 प्रतिशत कंडीशन का भाव) रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली 6,765-6,825 रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) 16,580 रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली रिफाइंड तेल 2,530-2,795 रुपए प्रति टिन, सरसों तेल दादरी 10,600 रुपए प्रति क्विंटल। सरसों पक्की घानी 1,675-1,745 रुपए प्रति टिन, सरसों कच्ची घानी 1,675-1,795 रुपए प्रति टिन। तिल तेल मिल डिलिवरी 18,900-21,000 रुपए प्रति क्विंटल। सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली 10,980 रुपए प्रति क्विंटल। सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर 10,880 रुपए प्रति क्विंटल। सोयाबीन तेल डीगम, कांडला-9,240 रुपए प्रति क्विंटल, सीपीओ एक्स-कांडला 8,600 रुपए प्रति क्विंटल, बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा) 9,250 रुपए प्रति क्विंटल, पामोलिन आरबीडी, दिल्ली 10,050 रुपए प्रति क्विंटल, पामोलिन एक्स कांडला 9,100 रुपए (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल, सोयाबीन दाना 5,205-5,355 रुपए प्रति क्विंटल, सोयाबीन लूज 4,965-5,015 रुपए प्रति क्विंटल और मक्का खल (सरिस्का) 4,010 रुपए प्रति क्विंटल।

राज रयॉन के शेयर ने 2 साल में निवेशकों को दिया 33625 फीसदी का रिटर्न

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में कुछ ऐसे स्टॉक भी हैं, जिन्होंने निवेशकों को इतना मोटा मुनाफा दिया है। छप्पर फाड़ मुनाफा देने वाले शेयरों में राज रयॉन इंडस्ट्रीज के शेयर का नाम भी शामिल है। 2 साल पहले 1 रुपए में राज रयॉन इंडस्ट्रीज के 5 शेयर आ रहे थे लेकिन अब इस मल्टीबैगर शेयर की कीमत बढ़कर 67.45 रुपए हो चुकी है। इस तरह इस शेयर में दो साल में ही 33625 फीसदी का रिटर्न निवेशकों को दिया है। 2 साल पहले इस शेयर में पैसे लगाने लगाने वालों के वारे-न्यारे हो चुके हैं। जिस निवेशक ने दो साल पहले पैसा बरसाने वाले राज रेयॉन के शेयर में केवल 30 हजार रुपए ही लगाए थे, वो भी आज करोड़पति बन चुका है। पिछले एक साल में इस मल्टीबैगर शेयर ने 3,891 फीसदी रिटर्न दिया है। साल 2023 में अब तक यह स्टॉक करीब 84 फीसदी मुनाफा निवेशकों को दे चुका है। राज रेयॉन के शेयर में जिन निवेशकों ने पांच साल पहले पैसा लगाया था, वो भी आज भारी मुनाफे में हैं। इस अवधि में यह मल्टीबैगर पैनी स्टॉक 16,862 फीसदी की छलांग लगा चुका है। पांच साल पहले इस शेयर की कीमत 40 पैसे थी।

हालांकि एक महीने में यह शेयर 15 फीसदी गिर चुका है। आज से दो साल पहले जिस निवेशक ने राज रेयॉन के शेयर में 1 लाख रुपए लगाए थे और अपने निवेश को बनाए रखा है। 2 साल पहले 1 लाख रुपये में उसे 5 लाख शेयर 20 पैसे प्रति शेयर के हिसाब से मिले थे। आज एक शेयर की कीमत 67.45 रुपए है। इसी तरह अगर किसी निवेशक ने दो साल पहले 30 हजार रुपए भी इस स्टॉक में लगाए थे, वो आज करोड़पति हो चुका है। आज उसे 30 हजार के 10,117,500 रुपए मिल रहे हैं।

आईपीएल में कमेंटेटर के तौर पर नजर आ सकते हैं स्मिथ

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर स्टीव स्मिथ आईपीएल में कमेंटेटर के तौर पर वापसी कर सकते हैं। स्मिथ ने अब तक 6 आईपीएल फ्रेंचाइजी के लिए खेला है पर साल 2021 सत्र के बाद से वह इस टी20 लीग से बाहर हैं। वह गत वर्ष हुई नीलामी में नहीं बिके थे। उन्होंने 2023 सत्र से पहले नीलामी से अपना नाम वापस ले लिया था। स्मिथ ने अपने प्रशंसकों को एक वीडियो संदेश में कहा, नमस्ते इंडिया। मेरे पास आपके लिए कुछ अच्छी खबर है। मैं आईपीएल 2023 में शामिल हो रहा हूं। मैं भारत में एक असाधारण टीम में शामिल हो रहा हूं। गौरतलब है कि स्मिथ ने आईपीएल में 103 मैच खेलते हुए 2012 से 2021 के बीच 2485 रन बनाए हैं जिसमें एक शतक भी शामिल है। माना जा रहा है कि स्मिथ आईपीएल में अपनी कमेंट्री की शुरुआत करने के लिए भारत जा रहे हैं। इसी दौरान काउंटी चैंपियनशिप भी होगी अब देखना है कि स्मिथ वहां खेलेंगे या कमेंट्री करेंगे।

बहुत कम खिलाड़ी हैं, जो स्कोर करने के लिए मेरे जितने भूखे हैं : सुनील छेत्री

(एजेंसी)।

भारतीय फुटबॉल में दो दशक और ब्लू टाइगर्स के लिए 84 गोल -- फिर भी पहली बार ब्लू टाइगर्स के दिग्गज सुनील छेत्री मणिपुर में एक प्रतिस्पर्धी मैच खेल रहे हैं और भारत के लिए स्कोर करने की उनकी भूख उतनी ही अधिक है जितनी पहले थी।शानदार स्ट्राइकर ने पिछले हफ्ते खुमन लंपक स्टेडियम में म्यांमार के खिलाफ पहले तीन देशों के अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट मैच में भारत के लिए शानदार प्रदर्शन किया। हीरो आईएसएल फाइनल के ठीक एक दिन बाद वो राष्ट्रीय शिविर में शामिल हुए। कई प्रयासों के बाद उन्होंने एक गोल किया जिसे ऑफ साइड करार दे कर अस्वीकृत कर दिया गया, जिसके बाद कई लोगों ने इस फैसले पर सवाल उठाया।हालांकि, किर्गिज गणराज्य के खिलाफ मैच से पहले भारत का नंबर 11 खिलाड़ी हमेशा की तरह खेलने के लिए प्रेरित है।छेत्री ने एआईएफएफ डॉट कॉम के हवाले से कहा, स्कोर करने की मेरी भूख वैसी ही है जैसी हमेशा से रही है और किर्गिज गणराज्य के खिलाफ भी यही रहेगी। ऑफ साइड और पेनल्टी के फैसले खेल का एक हिस्सा हैं और आप उनके बारे में एक निश्चित समय के लिए सोचते हैं, लेकिन फिर आप आगे बढ़ते हैं और अगले मैच के लिए तत्पर रहते हैं।उन्होंने कहा, मैं अहंकार से नहीं बोल रहा हूं, लेकिन मुझे लगता है कि ऐसे बहुत कम खिलाड़ी हैं जो स्कोर करने के लिए मेरे जितने भूखे हैं।शख्स ने भारतीय फुटबॉल में यह सब देखा और किया है। मणिपुर में पहली बार खेलने के बाद इस खूबसूरत खेल की लोकप्रियता के बारे में उन्हें बेहतर समझ मिली है। मणिपुर एक ऐसा राज्य है जिसने पुरुषों और महिलाओं की राष्ट्रीय टीमों को अनगिनत खिलाड़ी दिए हैं।मैंने बहुत से प्रशंसकों को देखा है, छोटी लड़कियों और माताओं को भी स्टैंड पर आते देखा। यह खेल के लिए अच्छा है।भारतीय कप्तान ने यह भी बताया कि इन मैचों का राज्य की युवा पीढ़ी के खिलाड़ियों पर क्या प्रभाव पड़ सकता है। छेत्री ने कहा, हम में से कई लंबे समय से खेल रहे हैं, सभी भारतीय फुटबॉल सितारों को देखकर छोटे बच्चों को अतिरिक्त प्रेरणा मिलती है। सुरेश (नगजाम), जेक्सन (सिंह), यासिर (मोहम्मद) जैसे लोगों को देखकर यहां के बच्चों को प्रेरित किया जा सकता है।मुझे उम्मीद है कि एक राष्ट्रीय टीम के रूप में, हम उन्हें सपने देखने में मदद करने के लिए बहुत कुछ अधिक दे सकते हैं।

श्रीलंकाई प्रीमियर लीग 31 जुलाई से , 22 अगस्त को खेला जाएगा फाइनल

कोलंबो ।

श्रीलंकाई प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट (एलपीएल) का चौथा सत्र 31 जुलाई से शुरु होगा जबकि इसका खिताबी मुकाबला 22 अगस्त को खेला जाएगा। श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने कहा कि एलपीएल लीग 31 जुलाई से शुरू होगी और 22 अगस्त को इसका फाइनल खेला जाएगा। यह पहली बार है जबक जुलाई-अगस्त में यह टूर्नामेंट खेला जाएगा। इसमें पिछले सत्र की तरह ही 5 टीमों का टूर्नामेंट तीन स्थानों कैंडी, हंबनटोटा और कोलंबो में खेला जाएगा। इसमें हर टीम ज्यादा से ज्यादा 20 खिलाड़ियों को अनुबंधित कर सकती है जिनमें से 14 स्थानीय होने चाहिए जबकि 6 विदेशी क्रिकेटर रहेंगे। वहीं संयुक्त राज्य अमरीका में मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) टूर्नामेंट और इंग्लैंड में द हंड्रेड होने से इस लीग के लिए शीर्ष क्रिकेटरों को मिलने में परेशानी होगी। इसके बाद भी आयोजन समिति को उम्मीद है कि उसे अच्छे क्रिकेटर मिल जाएंगे। एलपीएल टूर्नामेंट निदेशक समांथा डोडानवेला ने कहा, हमने इस साल जुलाई और अगस्त के दौरान टूर्नामेंट आयोजित करने का फैसला किया है क्योंकि इस अवधि के दौरान टूर्नामेंट आयोजित करने से हमें शीर्ष अंतरराष्ट्रीय प्रतिभाओं को अपनी ओर खींचने का अवसर मिलेगा।

नडाल ने मोंटे कार्लो मास्टर्स में वापसी से किया इंकार

नई दिल्ली

पूर्व नंबर एक स्पेन के राफेल नडाल ने उन दावों को खारिज किया है जिसमें कहा गया था कि वह चोट से उबरकर अप्रैल में मोंटे कार्लो मास्टर्स में वापसी करेंगे। उन्होंने साथ ही कहा कि वह अपनी वापसी के लिए कोई निर्दिष्ट समय सीमा नहीं बता सकते। नडाल इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन में दूसरे दौर में अमेरिका के मैकेंजी मैकडोनाल्ड से हारने के बाद से एक्शन से बाहर हैं जहां उन्होंने अपने कूल्हे की चोट को बढ़ा लिया था। नडाल ने बाएं पैर में ग्रेड 2 की चोट के कारण इंडियन वेल्स और मियामी ओपन से अपना नाम वापस ले लिया था। लेकिन इस महीने के शुरू में मोंटे कार्लो मास्टर्स के टूर्नामेंट निदेशक डेविड मैसी ने पुष्टि की थी कि नडाल ने टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए साइन किया है। हालांकि 22 ग्रैंड स्लैम खिताबों के विजेता ने इन दावों को खारिज कर दिया कि वह मोंटे कार्लो में वापसी कर रहे हैं। नडाल के हवाले से स्पेन के राष्ट्रीय खेल समाचारपत्र मार्का ने कहा, मैं नहीं जानता कि यह सूचना कहां से मिली। यदि यह सही होता तो मैं इसकी पुष्टि करता लेकिन मैं नहीं कर सकता हूं। उन्होंने कहा, मैं एक प्रक्रिया का पालन कर रहा हूँ। मैं नहीं जानता कि मैं दोबारा कब खेलूंगा। मैं यह पुष्टि नहीं कर सकता कि मैं मोंटे कार्लो में खेलूंगा।मोंटे कार्लो मास्टर्स आठ से 16 अप्रैल तक खेला जाएगा और इसके साथ ही क्ले कोर्ट सत्र की शुरूआत होगी।इस टूर्नामेंट में नडाल ने काफी सफलता हासिल की है। मोंटे कार्लो मास्टर्स आठ से 16 अप्रैल तक खेला जाएगा और इसके साथ ही क्ले कोर्ट सत्र की शुरूआत होगी।

मियामी ओपन : सिटसिपास ने क्वालीफायर क्रिस्टियन को हराया, बियांका बाहर

मियामी गार्डन्स ।

यूनान के शीर्ष खिलाड़ी स्टेफानोस सिटसिपास ने मियामी ओपन टेनिस में चिली के क्वालीफायर क्रिस्टियन गारिन को 6-3, 4-6, 6-4 से हराकर पुरुष एकल के दूसरे दौर में प्रवेश किया है। वहीं महिला एकल में कनाडा की बियांका आंद्रिस्कू को पैर में चोट के बाद बाहर होना पड़ा है।

बियांका मैच में 18वीं वरीयता प्राप्त एकातेरिना अलेक्जेंद्रोवा के खिलाफ दूसरे सेट में चोटिल हो गयीं थीं। महिला वर्ग में ही अमेरिका की जेसिका पेगुला ने पोलैंड की मागडा लिनेटे को 6-1, 7-5 से हराया। सिटसिपास का मुकाबला अब अगले दौर में कारेन खाचानोव से होगा। खाचानोव ने एक अन्य मुकाबले में चेक गणराज्य के जिरि लेहेस्का को 6-2, 6-4 से हराया। अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को सेरूंडोलो ने पांचवीं वरीयता प्राप्त कनाडा के फेलिक्स आगर एलियास्सिमे को 6-2, 7-5 से पराजित किया। अब उनका मुकाबला इटली के लोरेंजो सोनेओग से होगा जिसने फ्रांसिस टियाफो को 6-3, 6-4 से हराया था। अमेरिका के क्रिस यूबैंक्स ने फ्रांस के ग्रेगोइर बारेरे को 6-3, 7-6 से हराया जबकि फ्रांस के केंटिन हेलिस ने अमेरिका के मैकेंजी मैकडोनाल्ड को 7-6, 6-3 से शिकस्त दी।

संक्षिप्त समाचार

रोहित को क्रिकेट किट के लिए दूध के पैकेट बेचने पड़े थे : प्रज्ञान

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर प्रज्ञान ओझा ने भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा की प्रशंसा करते हुए कहा है कि रोहित ने यहां तक पहुंचने के लिए काफी मेहनत की है। प्रज्ञान ने पुराने दौर को याद करते हुए कहा कि एक समय रोहित को क्रिकेट किट के पैसों के लिए दूध के पैकट तक बेचने पड़े थे। ओझा ने कहा, रोहित एक मध्यवर्गीय परिवार से थे और मुझे याद है कि एक बार जब हमने बात की तो उन्होंने बताया कि उन्हें इसके लिए दूध के पैकेट बेचने पड़े थे। अब जब मैं उसे देखता हूं, तो मुझे बहुत गर्व महसूस होता है कि हमारी यात्रा कैसे शुरू हुई और हम कहां पहुंचे। प्रज्ञान ने कहा कि जब वह पहली बार अंडर-15 राष्ट्रीय शिविर में रोहित से मिले थे तो हर कोई कह रहा था कि वह विशेष खिलाड़ी थे। उन्होंने कहा उस समय रोहित उनके खिलाफ क्रिकेट के मैदान में काफी आक्रामक थे, लेकिन बाद में वह अच्छे दोस्त बन गए। उन्होंने कहा, जब मैं पहली बार अंडर-15 राष्ट्रीय शिविर में रोहित से मिला, तो सभी ने कहा कि वह एक बहुत ही खास खिलाड़ी है। वहां, मैंने उनके खिलाफ खेला और उनका विकेट लिया। रोहित तब ज्यादा बात नहीं करता था पर वह आक्रामक था। मुझे यह भी हैरानी थी कि जब हम एक-दूसरे को नहीं जानते थे तो वह मेरे साथ इतना आक्रामक क्यों था, लेकिन उसके बाद हमारी दोस्ती बढ़ने लगी। इसके बाद ओझा ने 2008 में आईपीएल के दौरान डेक्कन चार्जर्स में रोहित और अपने दिनों को याद किया, उन्होंने कहा कि रोहित में तभी से नेतृत्व करने की क्षमता थी।

केकेआर की कप्तानी से क्षमताओं को दिखाने का अवसर मिला : राणा

कोलकाता । श्रेयस अय्यर की जगह पर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के नये कप्तान बनाये गये बल्लेबाज नीतिश राणा ने कहा है कि यह उनके पास अपनी नेतृत्व क्षमताओं को दिखाने का सबसे अच्छा अवसर है। नीतिश ने कहा कि वह अपनी ओर से बेहतर प्रदर्शन करने के साथ ही टीम की ओर से भी अच्छा प्रदर्शन चाहेंगे। इस क्रिकेटर ने का कि साल 2018 से ही केकेआर से खेलने के कारण अब ये मेरे लिए घर जैसा हो गया है। इसमें टीम की कप्तानी करना गर्व की बात है। इससे मुझे शीर्ष स्तर पर अच्छे प्रदर्शन की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा कि मैं स्वयं ही नहीं बल्कि टीम को भी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए प्रेरित करुंगा। साथ ही कहा कि मेरी कामना है कि श्रेयस शीघ्र ठीक होकर वापसी करें। इससे पहले इस क्रिकेटर ने सैयद मुश्ताक अली ट्राफी में दिल्ली की ओर से 12 टी20 मैचों में कप्तानी की थी जिसमें टीम को आठ में जीत और चार में हार का सामना करना पड़ा था। केकेआर की टीम इस सत्र में एक अप्रैल को अपने पहले मैच में पंजाब किंग्स से खेलेगी। । नीतिश ने आईपीएल के 91 मैचों में 2181 रन बनाए हैं। उनकी स्ट्राइक रेट 134 तो औसत 28 रही है। इस दौरान उन्होंने 15 अर्धशतक भी लगाये हैं। उन्होंने 2022 सीजन में 361, 2021 सीजन में 383, 2020 सीजन में 352 तो 2019 सीजन में 344 रन बनाए थे।

बारिश के कारण श्रीलंका-न्यूजीलैंड एकदिवसीय रद्द

श्रीलंका के विश्व कप में सीधे क्वालीफाई करने की उम्मीदें घटीं

क्राइस्टचर्च ।

बारिश के कारण श्रीलंका और न्यूजीलैंड के बीच होने वाला दूसरा एकदिवसीय क्रिकेट मैच नहीं हो पाया है। यह श्रीलंकाई टीम के लिए एक बड़ा झटका है। इससे उसके विश्वकप के लिए सीधे प्रवेश की संभावनाएं घटीं हैं। इस मैच में एक भी ओवर नहीं फेंका जा सका जिसके कारण अंपायरों ने इसे रद्द घोषित कर दिया।

इस मैच के शुरू होने का समय स्थानीय समयानुसार शाम सात बजकर दो मिनट था पर अंपायरों ने शाम चार बजकर 25 मिनट मैदान का जायजा लेकर मैच रद्द कर दिया। इस ड्रॉ के बाद दोनों टीमों को विश्व कप सुपर लीग में बराबर अंक बांट दिये गये हैं। नियम अनुसार सुपर लीग की शीर्ष आठ टीमों को विश्व कप में सीधा प्रवेश दिया जाता है। श्रीलंका की टीम इस समय 82 अंकों के साथ 9वे स्थान पर है, जबकि उसे विश्व कप से पहले केवल एक और एकदिवसीय मैच खेलना है। श्रीलंका को अब शुक्रवार को होने वाले तीसरे एकदिवसीय में न्यूजीलैंड को हरानो होगा। ऐसे में वह 92 अंक के साथ वेस्ट इंडीज (88) को पीछे कर तालिका में आठवें स्थान पर आ जाएगा। इसके साथ ही श्रीलंका को प्रार्थना करनी होगी कि दक्षिण अफ्रीका की टीम इस हफ्ते नीदरलैंड के खिलाफ होने वाले दो एकदिवसीय मैचों में से केवल एक ही जीत पाये। दक्षिण अफ्रीका 78 अंक लेकर इस समय तालिका में 10वें स्थान पर है!

फ्रांस ने यूरोपीय क्वालीफायर में आयरलैंड को 1-0 से हराया

जिनेवा । फ्रांस टीम ने यूरोपीय फुटबॉल क्वालीफायर में आयरलैंड को 1-0 से हराकर अच्छी शुरुआत की है। फ्रांस की ओर से मैच के 50वें मिनट में बेंजामिन पावार्ड ने पहला गोल दागा। कप्तान काइलियान एमबाप्पे की कप्तानी वाली टीम ने इस मैच में आयरलैंड को कोई अवसर नहीं दिया। आयरलैंड के सभी हमलों को उसने विफल कर दिया। वहीं एक अन्य मैच में सर्बिया ने दुसान ब्लाहोविच के दो गोल की सहायता से मोंटेनीग्रो को 2-0 से पराजित किया जबकि पोलैंड ने रॉबर्ट लेवांडोवस्की के गोल से अलबानिया को 1-0 से हराया। हंगरी ने बुल्गारिया को 3-0 से शिकस्त दी। ऑस्ट्रिया ने एस्टोनिया को 2-1 से हराया जबकि स्वीडन ने अजरबैजान को 5-0 से पीटा.

मैंने ऋषभ को गाड़ी धीरे चलाने को कहा था : धवन

नई दिल्ली। अनुभवी सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने कहा है कि उन्होंने विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को कार धीरे चलाने को कहा था। ऋषभ गत वर्ष 30 दिसंबर को हुए कार हादसे में घायल होने के बाद से ही अभी इलाज के दौर से गुजर रहे हैं। ऋषभ की कार दुर्घटना के बाद धवन का एक वीडियो काफी वायरल हुआ था , इसमें वह इस युवा क्रिकेटर को गाड़ी धीरे चलाने की सलाह दे रहे थे। अब उसी वीडियो पर धवन का एक बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने कहा कि यह सलाह उन्हें दिल से दी थी। धवन ने कहा, सबसे पहले, मुझे खुशी है कि ऋषभ दुर्घटना में बच गए और अब वह ठीक हो रहे हैं। मैं उनसे बात करता रहता हूं। मैंने उसे एक बार ड्राइव करते हुए देखा था और जब उन्होंने मेरा साक्षात्कार लिया तो मैंने उन्हें सावधानी से ड्राइव करने के लिए कहा था। मुझे यह बात याद भी नहीं थी, लेकिन किसी तरह यह सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। मैंने उन्हें दिल से सच्ची सलाह दी थी और सावधानी से गाड़ी चलाने के लिए कहा था। धवन ने आगे कहा, जब आप 20-21 साल के होते हैं तो सभी में वह उत्साह होता है। ऋषभ अकेले नहीं हैं, जिन्होंने तेजी से गाड़ी चलाई है। मैंने भी ऐसा तब किया था जब मैं उस उम्र का था। कई अन्य युवाओं ने भी ऐसा ही किया होगा। इस पर लगाम लगाना जरूरी है। मैंने उन्हें थोड़ी देर से सलाह दी थी, लेकिन हाँ मैंने उन्हें वह सलाह दी थी। गौरतलब है कि ऋषभ के कार हादसे के बाद वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह और धवन आपस में बातचीत कर रहे थे। इसमें वह धवन से पूछते हैं कि आप कौनसी एक सलाह मुझे देंगे, जिसके जवाब में धवन ने कहा था, गाड़ी आराम से चलाया कर। ऋषभ अब ठीक हो रहे हैं पर अभी उनके फिट होने में समय लगेगा।

पाकिस्तान ने तीसरे टी-20 में अफगानिस्तान टीम को 66 रनों से हराया

शारजाह ।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने यहां शारजाह में खेले गये तीसरे टी-20 क्रिकेट मैच में अफगानिस्तान टीम को 66 रनों से हराकर सीरीज में एकमात्र जीत दर्ज की है। वहीं अफगानिस्तान ने 2-1 से सीरीज जीत ली है। इस सीरीज के पहले दोनो ही मैचों में पाक टीम को हार का सामना कारना पड़ा था। अंतिम टी20 में अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पाक को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान टीम ने अफगानिस्तान टीम को जीत के लिए 183 रनों का लक्ष्य दिया जिसका पीछा करते हुए अफगान टीम 116 रन ही बना पायी। पाक की ओर से कप्तान शादाब खान ने तीन विकेट लेकर एक अहम उपलब्धि हासिल की। वह पाक की तरफ से क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में 100 विकेट लेने वाले पहले पाक खिलाड़ी बने। उन्होंने अपने 87वें टी-20 मुकाबले में यह खास उपलब्धि हासिल की। शादाद के अलावा पाक की ओर से एसानुल्लाह ने भी तीन विकेट लिए। इमाद वसीम, जमान खान और मोहम्मद वसीम जूनियर को एक-एक विकेट मिला। पाकिस्तान टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज मोहम्मद हारिस पहले ओवर की तीसरी गेंद पर ही एक रन बनाकर आउट हो गये। इसके बाद सईम अयूब ने टीम की पारी को संभाला और 40 गेंदों पर 49 रन बनाये। तय्यब ताहिर ने 9 गेंदों पर 10 रन बनाए। वहीं अब्दुल्लाह शफीक 23 रन ही बना पाए। इफ्तिखार अहमद ने 31 रनों की पारी खेली। शादाब खान ने 28 रन बनाए। इस प्रकार पाक टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 182 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानिस्तान टीम का शीर्ष क्रम विफल रहा। सलामी बल्लेबाज रहमानफल्लाह गुरबाज ने 18 रन बनाए। इसके बाद सेदिकुल्लाह अटल ने 11 रन बनायेए। इब्राहिम भी 3 रन बनाकर आउट हो गये। अफगान टीम की ओर से सबसे ज्यादा 21 रन अजमतउल्लाह ओमरजाई ने बनाए। वहीं राशिद खान भी 16 रन बनाकर पेवेलियन लौटै।

असुनसियोन में अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनन मैसी अपने एक स्टेच्यू के बगल में खड़े होकर फीफा विश्वकप ट्रॉफी की एक प्रतिकृति उठाए हुए

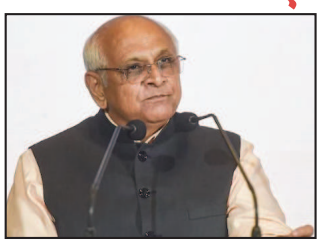

नशीले पदार्थों की तस्करी सहित राष्ट्र विरोधी गतिविधियों को रोकने के लिए राज्य सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है : मुख्यमंत्री

अहमदाबाद । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य सरकार की ओर से समुद्र के मार्ग द्वारा राज्य में नशीले पदार्थों की तस्करी सहित राष्ट्र व राज्य विरोधी गतिविधियों को रोकने के लिए स्पष्ट प्रतिबद्धता दर्शायी है। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि इस तरह की समाज विरोधी गतिविधियों का रूप दिन-ब-दिन बदल रहा है, लेकिन इसके खिलाफ पूरी सजगता के साथ गुजरात का पुलिस बल तटीय सुरक्षा के लिए तैनात है तथा विभिन्न विभागों के आपसी समन्वय से इसे और अधिक सशक्त एवं सुदृढ़ बनाया गया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के गृह विभाग द्वारा प्रथम बार आयोजित कोस्टल सिक्योरिटी तथा इन्टर्नल सिक्योरिटी रिव्यू एंड पर्सपेक्टिव पर आयोजित एक दिवसीय संयुक्त परिषद के समापन अवसर पर संबोधित किया। गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी के मार्गदर्शन में आयोजित इस संयुक्त परिषद में राज्य के तटीय जिलों के पुलिस अधीक्षकों, कलेक्टरों, मत्स्य पालन और राजस्व अधिकारियों तथा ए.टी.एस मरीन पुलिस कमांड के अधिकारियों ने पूरे दिन के दौरान विभिन्न स्ट्रेटिजिक विषयों पर चर्चा व मंथन किया।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस परिषद का समापन करते हुए कहा कि राज्य के युवाओं को नशाखोरी तथा नशे की लत में झोंक रहे तत्वों के खिलाफ पुलिस बल द्वारा चलाये गए इस अभियान के बहुत अच्छे परिणाम मिले हैं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कोस्टल सिक्योरिटी तथा इन्टर्नल सिक्योरिटी के लिए सम्बंधित विभागों के बीच परस्पर समन्वय को अधिक सुदृढ़ करने के साथ ही टेक्नोलॉजी के अधिकतम उपयोग का भी समर्थन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गुजरात देश का ग्रोथ इंजन बना है और इसमें कोई बाधा न आए इसलिए पुलिस बल सहित संबंधित संस्थाएं और सरकार साथ मिलकर लगातार कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने हाल ही में एक विदेशी नाव से बड़े पैमाने पर एमडी ड्रग्स की तस्करी करने वालों की गिरफ्तारी करने के लिए गुजरात पुलिस के ए.टी.एस के अधिकारियों को प्रशंसा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी अच्छा काम होता है तो वो सबकी नज़र में जरुर आता है और हाल ही में चलाये गये जेल सर्च ऑपरेशन, नशे के खिलाफ अभियान आदि इसके उदाहरण हैं। मुख्यमंत्री ने इस परिषद में उपस्थित सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि यदि राष्ट्र व राज्य के हित के विरुद्ध ऐसी कोई गतिविधि उनकी नजर में आती है तो उसे तत्काल रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई करना जरुरी है। मुख्यमंत्री ने समुद्री सुरक्षा तथा आंतरिक सुरक्षा पर पहली बार पुलिस, राजस्व, जिला कलेक्ट्रेट, मत्स्य व समुद्री पुलिस तथा ए.टी.एस सहित अन्य एजेंसियों की एक संयुक्त बैठक आयोजित करके राज्य के सुरक्षा गठबंधन बनाने के दृष्टिकोण की सराहना की।

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक द्वारा 14 कर्मचारियों को संरक्षा पुरस्कार से किया गया सम्मानित

अहमदाबाद । पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार मिश्र ने पश्चिम रेलवे के सभी छह मंडलों के 14 कर्मचारियों को सुरक्षित ट्रेन परिचालन में उत्कृष्ट कार्य निष्पाचदन द्वारा योगदान देने के लिए सम्मानित किया। इन कर्मचारियों को जनवरी एवं फरवरी, 2023 के दौरान ड्यूटी में उनकी सतर्कता और अप्रिय घटनाओं को रोकने में उनके योगदान और परिणामस्व,रूप सुरक्षित ट्रेन परिचालन सुनिश्चित करने के लिए सम्मानित किया गया। इन 14 कर्मचारियों में से 4 कर्मचारी वडोदरा मंडल, 3 कर्मचारी रतलाम मंडल, 2-2 कर्मचारी मुंबई सेंट्रल, अहमदाबाद एवं भावनगर मंडल से तथा 1 कर्मचारी राजकोट मंडल से है। इस बैठक में विभिन्नम विभागों के प्रमुख विभागाध्यबक्ष (क्काह्लष्ठह्य) उपस्थित थे, जबकि सभी मंडलों के मंडल रेल प्रबंधकों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में भाग लिया। इस अवसर पर महाप्रबंधक मिश्र ने रेलवे कार्यप्रणाली में संरक्षा प्रोटोकॉल पर एक ई-पुस्तिका का विमोचन भी किया। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार मिश्र ने सम्मानित किए गए कर्मचारियों की सतर्कता की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे सभी कर्मचारियों के लिए अनुकरणीय आदर्श हैं। सम्मानित किए गए कर्मचारियों ने संरक्षा के विभिन्न क्षेत्रों जैसे रेल एवं ट्रैक फ्रैक्चर का पता लगाना, पहियों में हेयरलाइन क्रेक का पता लगाना, अप्रिय घटनाओं को रोकने के लिए आपातकालीन ब्रेक लगाना, ब्रेक बाइंडिंग, हॉट एक्सरल एवं पहियों से चिंगारी निकलने का पता लगाना, गुजरती ट्रेन से चिंगारी अथवा धुएं का पता लगाकर समय पर सूचना देने आदि जैसे संरक्षा से संबंधित कार्यों को करते हुए ट्रेनों का सुरक्षित परिचालन सुनिश्चित करने में उत्साह और प्रतिबद्धता दिखाई। पश्चिम रेलवे को इन सभी पुरस्कृटत कर्मचारियों पर गर्व है जिन्होंने अपनी त्वरित कार्रवाई और सतर्कता से किसी भी अप्रिय घटना की संभावना को टालने में महत्व पूर्ण भूमिका निभाई।

फाइनांसर ने होटल कमरे में जहरीली दवाई पीकर किया स्युसाइड

वडोदरा । धर्मेश परमार नामक एक फाइनांसर ने शहर की होटल का कमरा बुक कराया और वहां जहरीली दवाई पीकर आत्महत्या कर ली। इस घटना से परिवार में शोक है और दावा किया जा रहा है कि धर्मेश आत्महत्या नहीं कर सकता। आर्थिक रूप से समृद्ध धर्मेश परमार की आत्महत्या को लेकर तरह तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। परिवार ने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। जानकारी के मुताबिक वडोदरा में समा क्षेत्र की आकाश गंगा सोसायटी निवासी धर्मेश परमार सोने के कारोबार के साथ ही फाइनांस भी करते थे। बीते दिन धर्मेश परमार वडोदरा की होटल रोयल किंग में मेहमानों के लिए एक कमरा बुक कराया था। होटल के 405 नंबर के कमरे में धर्मेश परमार ने जहरीली दवाई पीकर अपनी जीवनलील समेट ली। होटल मैनेजर के मुताबिक धर्मेश परमार ने कमरे में पहुंचने के बाद भोजन मंगवाया था, लेकिन भोजन के लिए दरवाजा नहीं खोला गया। होटल स्टाफ ने मास्टर की से कमरे के दरवाजा खोला। कमरे में धर्मेश परमार बेहोशी की हालत में पड़े थे। जांच के बाद डॉक्टरों द्वारा धर्मेश परमार को मृत घोषित करने पर होटल मैनेजर ने तुरंत पुलिस को घटना की जानकारी दी। होटल पहुंची पुलिस ने धर्मेश जिस कमरे में रुके थे, वहां जांच की। कमरे से जहरीली दवाई की एक शीशी बरामद हुई। पुलिस दुर्घटना मौत का केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। मृतक धर्मेश परमार के भाई राजेन्द्र परमार ने दावा किया है कि उसका भाई आत्महत्या नहीं कर सकता। धर्मेश परमार आर्थिक रूप से काफी मजबूत है और सोने के साथ ही एक फाइनांसर भी था। आखिर ऐसी कौन सी आफत आ गई जो उसने होटल में कमरा बुक कराया और वहां आत्महत्या कर ली? धर्मेश परमार के होटल जाने पर भी परिवार सवाल उठा रहा है। परिवार की मांग है कि पुलिस मामले की पूरी निष्पक्षता के साथ जांच करे।

न्यूभुज रेलवे स्टेशन बदलेगा अत्याधुनिक स्टोशन में जहाँ होगा विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चआर और यात्री सुविधाएँ

अहमदाबाद । प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप रेलवे स्टेशनों को न केवल सेवा के एक साधन के रूप में बल्कि एक संपत्ति के रूप में बदलने और विकसित करने के उद्देश्य से रेल मंत्रालय द्वारा स्टेशनों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त विश्वस्तरीय टर्मिनलों के रूप में विकसित किया जा रहा है ताकि आम रेल यात्री भी आरामदायक, सुविधाजनक और सुखद रेल यात्रा का अनुभव कर सके। भारतीय रेलवे द्वारा न्यू भुज रेलवे स्टेशन को कच्छ का रण की थीम पर अत्याधुनिक स्मार्ट रेलवे स्टेशन के रूप में पुनर्विकसित किया जा रहा है। स्टेशन के डिजाइन को ग्रीन बिल्डिंग सर्टिफिकेशन के साथ स्मार्ट स्टेशन के रूप में पुनर्विकसित किया जा रहा है। इससे एक सुखद वातावरण प्रदान किया जा सकेगा। भावी स्टेशन के लघु मॉडल को भुज स्टेशन पर प्रदर्शित किया गया है ताकि यात्रियों को स्टेशन के आगामी स्वरूप की जानकारी और अनुभव प्राप्त हो सके। उल्लेखनीय है कि भुज रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास कार्य शुरू हो चुका है और तेजी से प्रगति पर है। पश्चिम रेलवे द्वारा 179.87 करोड़ रुपये की स्वीकृत लागत पर पुनर्विकास का कार्य किया जा रहा है। परियोजना के निष्पादन के लिए इंजीनियरिंग प्रोक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) निविदा आमंत्रित की गई, जिसे अगस्त 2022 को खोला गया है। पुनर्विकास कार्य 24 माह में पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। भू-तकनीकी जांच, साइट सर्वेक्षण और उपयोगिता मानचित्रण का कार्य पूरा कर लिया गया है तथा अपग्रेडेशन का कार्य प्रगति पर है। न्यू भुज रेलवे स्टेशन को विभिन्न सुख-साधनों और सुविधाओं के लिए पर्याप्त क्षेत्रों के साथ एक अच्छी तरह से डिज़ाइन किए गए स्टेशन के रूप में अपग्रेड और पुनर्विकसित किया जा रहा है। इस योजना में अलग-अलग आगमन/प्रस्थान यात्री प्लाजा, स्टे शन परिसर में भीड़-भाड़ मुक्त और सुगम प्रवेश/निकास, पार्किंग व्यवस्था आदि शामिल हैं। प्लेटफार्मों पर भीड़-भाड़ कम करने के लिए प्लेटफॉर्मों के ऊपर यात्री सुख-साधनों और सुविधाओं से युक्त पर्याप्त कॉनकोर्स/प्रतीक्षा स्थान उपलब्धल होंगे। रेलवे स्टेशन दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं से लैस होगा, जिससे यह 100त्न दिव्यांग अनुकूल होगा। ऊर्जा, जल और अन्य संसाधनों के कुशल उपयोग, नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग आदि की सुविधाओं के साथ स्टेशन भवन ग्रीन बिल्डिंग होगा। बैटरी चार्ज करने की सुविधा और बैटरी चालित वाहनों के संचालन का भी प्रावधान किया जा रहा है। स्टेशन अत्याधुनिक संरक्षा और सुरक्षा तकनीक से भी लैस होगा, जिसमें बेहतर स्टेशन प्रबंधन के लिए कुशलता से डिजाइन की गई विशेषताएं शामिल हैं। न्यू भुज स्टेशन में मुख्य बिल्डिंग लगभग 970 वर्ग मीटर और जिसमें आवाजाही के लिए पर्याप्त स्थान, कॉन्कोर्स और पर्याप्त वेटिंग स्पेस है। सोलर पेनल युक्त छत, 3240 वर्ग मीटर कॉनकोर्स, 6 मीटर चौड़े 2 फुट ओवर ब्रिज, 13 लिफ्ट, 10 एस्केलेटर्स, SCADA, BMS, CCTV, EV चार्जिंग स्टेशन इत्यादि आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित स्मार्ट स्टेशन होगा।

गाइनेक कैंसर और बॉवेल एंडोमेट्रियोसिस के उपचार में नई तकनीकों पर अहमदाबाद के डॉक्टर के दो अध्ययन अंतरराष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित हुए

अहमदाबाद। प्राणघातक माने जाने वाले गाइनेक कैंसर और बॉवेल (आँत) एंडोमेट्रियोसिस के उपचार के लिए अहमदाबाद के एक डॉक्टर ने नई तकनीकों को विकसित किया है, जिसे एक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित किया गया है। इन उन्नत तकनीकों को डॉ. दीपक लिंबाचिया और उनकी टीम द्वारा डेवेलोप किया गया है, जो एक जाने-माने लेप्रोस्कोपिक और ऑन्कोलॉजी सर्जन तथा ईवा वुमन हॉस्पीटल और एंडोस्कोपी सेंटर के संस्थापक भी हैं। डॉ. दीपक लिंबाचिया ने अंतरराष्ट्रीय कैंसर दिशानिर्देशों के अनुसार उचित और संपूर्ण लेप्रोस्कोपिक सर्जिकल मैनेजमेन्ट के साथ स्त्री रोग के कैंसर के क्षेत्र में विस्तृत और व्यापक स्तर पर काम किया है।

ऑन्कोलॉजी पेपर

भारतीय महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर सबसे आम जनन-संबंधी कैंसर है। पश्चिमी दुनिया में महिलाओं में एंडोमेट्रियल कैंसर सबसे आम यौन, जनन संबंधी कैंसर है। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2020 में 6,04,127 महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर हुआ और वैश्विक स्तर पर इस बीमारी से 3,41,831 महिलाओं की मौत हुई थी।

भारत के लिए ग्लोबोकेन-2020 के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2020 में सर्विक्स कार्सिनोमा के 1,23,907 मामले दर्ज किए गए थे। वर्ष 2019 में भारत में सर्वाइकल कैंसर के कारण 45,300 महिलाओं की मौत हुई थी। यह एकमात्र स्त्रीरोग संबंधी कैंसर है जिसके लिए सरकार द्वारा स्क्रीनिंग कार्यक्रम चलाए जाते हैं, जिससे रोग को प्रारंभिक चरण में ही पहचाना जा सके और उचित समय पर उपचार शुरु किया जा सके। डॉ. लिंबाचिया और उनकी टीम ने नई सर्जिकल तकनीक विकसित की है, जो बेहतर पूर्वानुमान के साथ- साथ उत्तम सर्जिकल परिणाम दे सकती है। इस नई तकनीक में सर्वाइकल और एंडोमेट्रियल कैंसर सर्जरी (गर्भाशय कैंसर सर्जरी) में कोल्पोटॉमी से पहले योनि को बंद करना शामिल है, जो पेट के अंदर और योनि में ट्यूमर कोशिकाओं को फैलने से रोकता है, जिससे रोग की पुनरावृत्ति को रोका जा सके।

डॉ. लिंबाचिया की स्टडी (अध्ययन) - स्त्रीरोग संबंधी मलिग्नन्सी के लिए लैप्रोस्कोपिक सर्जरी में ट्यूमर के रिसाव को रोकने के लिए एंडो-स्टेपलर्स के साथ कोल्पोटॉमी से पहले योनि बंद करना = तर्क और तकनीक को पब मेड इंडेक्स जर्नल ऑफ़ द सोसाइटी ऑफ़ लेप्रोस्कोपिक एंड रोबोटिक सर्जन में प्रकाशित किया गया है।

इस स्टडी का उद्देश्य एंडोमेट्रियल कैंसर और शुरुआती चरण के सर्वाइकल कैंसर के लिए लेप्रोस्कोपिक सर्जरी के दौरान ट्यूमर को फैलने से रोकने के लिए एंडो-स्टेपलर्स के साथ योनि बंद करने के लिए नई तकनीकों को परिभाषित करना था, जो आगे अनुकूल ऑन्कोलॉजिकल परिणाम लाएगी। डॉ. लिंबाचिया की एक और स्टडी - सर्जिको-पैथोलॉजिकल आउटकम्स और कार्सिनोमा बॉडी यूटरस में सर्वाइवल = भारतीय महिलाओं में लैप्रोस्कोपिक स्टेजिंग सर्जरी द्वारा प्रबंधित मामलों का एक पूर्वप्रभावी विश्लेषण - पब मेड इंडेक्स्ड जर्नल गायनेकोलॉजी एंड मिनिमली इनवेसिव थेरेपी में प्रकाशित हुआ है। हमारी जानकारी के अनुसार एंडोमेट्रियल कार्सिनोमा में लेप्रोस्कोपिक सर्जरी के बाद सर्जिकल-पैथोलॉजिकल परिणामों का विश्लेषण करने वाला यह भारत का पहला अध्ययन है।

एंडोमेट्रियोसिस पेपर

एंडोमेट्रियोसिस एक ऐसी बीमारी है जहां गर्भाशय के अस्तर के समान टिशू (मांस-तंतु,ऊतक) गर्भाशय के बाहर बढ़ता है, जिससे दर्द और/अथवा बांझपन होता है। यह वैश्विक स्तर पर लगभग 10% (190 मिलियन) महिलाओं और प्रजनन आयु की लड़कियों को प्रभावित करता है। यह पीरियड्स के दौरान गंभीर, जीवन को प्रभावित करने वाले दर्द, संभोग, मलत्याग और/अथवा पेशाब, क्रोनिक पैल्विक पैन (दर्द), पेट की सूजन, अरुचि, उबकाई, थकान और कभी-कभी डिप्रेशन (निराशा, उदासी) चिंता औरबांझपन से जुड़ी एक पुरानी बीमारी है।

कॉस्ट एकाउंटेंट्स सूरत चैप्टर द्वारा पैन आधार लिंक कैंप

इसलिए जनता को सूचित करते हैं कि पैन और आधार को जोड़ने की मुफ्त सेवा प्रदान करके समाज की मदद करने के लिए हम सीएमए भवन में एक शिविर आयोजित कर रहे हैं। यह कैंप 28.03.23 से 31.03.23 दोपहर 12 बजे से शाम 6 बजे तक रहेगा।

- इस सेवा के लाभार्थियों को निम्नलिखित विवरण के साथ व्यक्तिगत रूप से चैप्टर के पते पर संपर्क करना चाहिए-

1) व्यक्तिगत पैन कार्ड,
2) आधार कार्ड
3) आधार कार्ड में पंजीकृत मोबाइल नंबर
4) सरकारी मुद्रा का भुगतान 1000/- रुपये

अध्याय पता-
सीएमए भवन
103, रिट्ज स्क्वायर, इंडोर स्टेडियम की गली में,
घोडदौड़ रोड, ठवा, सूरत 395007
फोन नंबर- 9499677057

अनएकेडमी छात्रों के लिए आयोजित कर रही है सबसे बड़ा स्कॉलरशिप टेस्ट

क्वालिफाय करने वाले छात्र अनएकेडमी के ऑफलाईन एवं ऑनलाईन प्रोग्रामों में स्कॉलरशिप पा सकेंगे

unacademy

भारत के सबसे बड़े लर्निंग प्लेटफॉर्म अनएकेडमी ने छात्रों की बढ़ती महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हाल ही में अनेएकेडमी स्कॉलरशिप टेस्ट (यूएसटी) की घोषणा की है। टेस्ट का संचालन 26 मार्च से 16 अप्रैल के बीच रोज़ाना दोपहर 11:00-12:00 बजे और शाम 4:00-5:00 बजे किया जाएगा।

यूएसटी के साथ अनएकेडमी छात्रों को भारत के टॉप शिक्षकों एवं सर्वश्रेष्ठ तरीकों से पढ़कर अपन लक्ष्यों को हासिल करने का मौका देगी। क्वालिफाय होने वाले छात्रों को अनएकेडमी प्लेटफॉर्म और अनएकेडमी सेंटर पर 100 फीसदी तक स्कॉलरशिप मिलेगी, सबसे अच्छा परफोर्मेन्स करने वाले छात्रों को स्पेशल रैंकर्स ग्रुप का एक्सेस मिलेगा।

यूएसटी सभी योग्य छात्रों के लिए रु 100 करोड़ तक की छात्रवृत्ति और रिवॉर्ड्स पेश करती है, ताकि छात्रों को उनकी पढ़ाई में मदद मिले। आईआईटी जेईई, नीट यूजी एवं फाउन्डेशन (कक्षा 8 से 12) के छात्र यह स्कॉलरशिप टेस्ट दे सकते हैं।

स्कॉलरशिप टेस्ट से छात्रों को अपनी क्षमताओं और कमज़ोरियों को समझने का मौका मिलेगा। टॉपरैंकर्स को अनएकेडमी के ऑनलाईन एवं ऑफलाईन प्रोग्रामों में प्रवेश के अवसर दिए जाएंगे, इससे वे आईआईटी जेईई एवं नीट यूजी परीक्षाओं के लिए बेहतर तैयारी कर सकेंगे।

यह पहल देश भर के छात्रों को एक प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराएगी, जो ऑफलाईन एवं ऑनलाईन तरीकों से लर्निंग के आधुनिक विकल्प चाहते हैं। वे छात्र जो इस टेस्ट को देना चाहते हैं, वे रजिस्ट्रेशन सपदा पर रजिस्टर कर सकते हैं।

ईबे ग्लोबल शिपिंग के साथ शिपरॉकेट पार्टनर्स ईबे उपयोगकर्ताओं को लागत प्रभावी सीमा पार शिपिंग समाधान प्रदान करने के लिए

शिपरॉकेट के शिपरॉकेट एक्स और शिपिंग प्रोडक्ट्स ने भारतीय एसएमई के लिए क्रॉस-बॉर्डर ई-कॉमर्स समाधान प्रदान करने के लिए वैश्विक ई-कॉमर्स लीडर ईबे के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा की है।

भारतीय विक्रेताओं के लिए ई-कॉमर्स को सक्षम करने और उन्हें वैश्विक दर्शकों तक पहुंचने में मदद करने के शिपरॉकेट के दृष्टिकोण के अनुरूप, साझेदारी का उद्देश्य ईबे ग्लोबल शिपिंग (ईजीएस) और शिपरॉकेट एक्स को एकीकृत करके भारतीय ईबे विक्रेताओं को लागत प्रभावी और निर्बाध सीमा पार शिपिंग प्रदान करना है।

इस साझेदारी के हिस्से के रूप में, भारत में सभी ईबे क्रॉस-बॉर्डर ट्रेड सेलर्स ईबे शिपमेंट के लिए अपने शिपिंग पार्टनर के रूप में शिपरॉकेट एक्स को चुनने में सक्षम होंगे। विक्रेताओं को 160 से अधिक देशों में शिप करने की अनुमति देगा। यूएस, यूके, जर्मनी, कनाडा ऑस्ट्रेलिया और अन्य जैसे प्रमुख अंतरराष्ट्रीय बाजारों सहित। ईबे विक्रेताओं के पास सभी समावेशी सेवाओं तक भी पहुंच होगी, जैसे कि एकल प्लेटफॉर्म शिपमेंट कवरेज और स्वचालित कार्य प्रवाह से एकीकृत एकीकृत ट्रैकिंग। प्रारंभिक प्रस्ताव के रूप में ईबे विक्रेताओं को शिप्रॉकेट एक्स के माध्यम से अपने अंतरराष्ट्रीय शिपमेंट के लिए विशेष प्रचार मूल्य प्राप्त होगा। न्यूनतम दस्तावेज़ीकरण और परेशानी मुक्त शिपिंग के साथ ईबे विक्रेता अंतिम ग्राहक को तत्काल ऑर्डर अपडेट के साथ अपने खरीदार अनुभव को बढ़ाने में सक्षम होंगे।

शिपरॉकेट के सह-संस्थापक और वैश्विक विस्तार अक्षय गुलाटी ने कहा कि भारत सीमा पार ई-कॉमर्स विकास में शीर्ष दस देशों में से एक है। शिपरॉकेट में हमारा एक मुख्य उद्देश्य भारत में ई-कॉमर्स को सक्षम बनाना है ताकि भारतीय ई-कॉमर्स विक्रेताओं और पारंपरिक निर्यातकों को वैश्विक स्तर पर अपने व्यवसाय को बढ़ाने में मदद मिल सके। हमने 2022 में एक कुशल सुव्यवस्थित लॉजिस्टिक्स नेटवर्क के साथ वैश्विक बिक्री के लिए एक मजबूत ई-कॉमर्स सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के उद्देश्य से शिपरॉकेट एक्स लॉन्च किया। फॉरवर्ड डिप्लॉयमेंट और रिटर्न मैनेजमेंट के लिए हमारे अत्याधुनिक समाधान वैश्विक स्तर पर बिक्री करने वाले एसएमई के लिए उद्योग में पहले हैं। उन्होंने आगे कहा कि, इस साझेदारी के साथ, हमारी दृष्टि कई भारतीय व्यवसायों के लिए क्रॉस-बॉर्डर ई-कॉमर्स को सक्षम करने और ईबे को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विस्तार करने में मदद करने की है। ईबे में आईएनएसईए के मार्केटप्लेस एक्सपीरियंस के प्रमुख नितेश माहेश्वरी ने कहा कि ईबे का भारतीय विक्रेताओं को अपने स्थानीय कारोबार से परे अपनी पहुंच बढ़ाने में मदद करने का एक लंबा इतिहास रहा है।

यह देखते हुए कि हमारे विक्रेताओं का एक बड़ा हिस्सा एसएमई हैं, हम सुव्यवस्थित और कुशल रसद विकल्प प्रदान करने के महत्व को समझते हैं। शिपरॉकेट के साथ हमारी साझेदारी हमें विक्रेताओं को उनके सीमा पार ई-कॉमर्स अवसरों को अधिकतम करने में मदद करने के लिए एक कदम और करीब ले जाती है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)